अणुसंकेत

अंक:58-59 अप्रैल 2024 से मार्च 2025

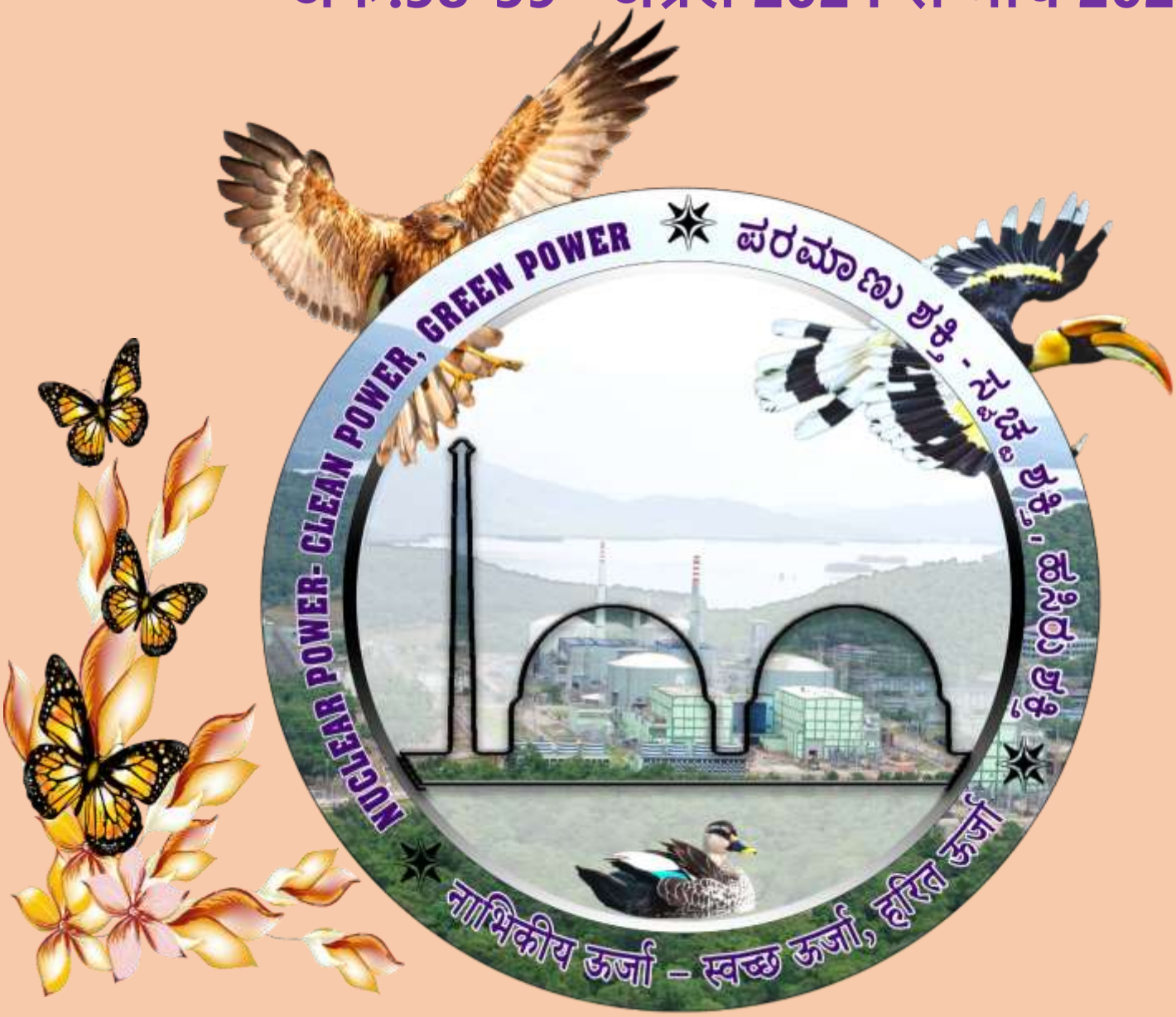

न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

कैगा स्थल

सीएसआर गतिविधियाँ

दिनांक 07.06.2024 को मासेत, बरपाली, अणशी पंचायत में कैगा सीएसआर समिति द्वारा बनाए गए फुटब्रिज का उद्घाटन

गांव में ब्रिज पहले ऐसा था

कैगा सीएसआर द्वारा बनाए गए फुटब्रिज

उद्घाटन फलक

गांव के बच्चों द्वारा ब्रिज का उद्घाटन

ग्रामवासियों के साथ कैगा प्रबंधन वर्ग एवं सीएसआर समिति के सदस्य

अणुसंकेत ई-गृहपत्रिका

अंक : 58-59 (अप्रैल, 2024-मार्च, 2025)

मुख्य संरक्षक

बी. विनोद कुमार
स्थल निदेशक, कैगा स्थल

संरक्षक

के. श्रीराम
केंद्र निदेशक, कैगा 1व 2

संरक्षक

जे एल सिंह
परियोजना निदेशक, कैगा 5व6

संरक्षक

सुनिल कुमार ओझा
केंद्र निदेशक, कैगा 3 व 4

परामर्शदाता

सुवर्णा एस. गांवकर
प्रमुख (मानव संसाधन)

सह परामर्शदाता

अजय थॉमस
उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन)

संपादक

बसंत कुमार सिंह
उप प्रबंधक (राजभाषा)

संपादन सहयोग

पी. राजेन्द्र
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

अफरोज़ा बेगम एम. के.
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

बबीता शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

प्रशांत श्रीवास्तव
असि ग्रेड -1

छायाचित्रण सहयोग

वेंकटरमण गौडा
विभागीय फोटोग्राफर

महेश नाम्सेकर
विभागीय फोटोग्राफर

गृहपत्रिका नि:शुल्क निजी वितरण हेतु :

-:पाठक गण कृपया अपनी रचनाएं निम्न पते पर भेजें :-

: संपर्क सूत्र :
बसंत कुमार सिंह, उप प्रबंधक (राजभाषा)
कैगा बिजली उत्पादन केंद्र, कैगा स्थल
डाक घर: कैगा, जिला: उत्तर कन्नड, कर्नाटक
पिन: 581 400, फोन : 9413346658
ई-मेल : bksingh@npcil.co.in

आवरण पृष्ठ : राकेश कुमार वासनिक
तकनीशियन-डी

नोट: प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों/रचनाकारों के अपने हैं। यह आवश्यक नहीं कि उनसे संपादक मंडल की सहमति हो।

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय-वस्तु	विधा	पृष्ठ सं.
01	मुख्य संरक्षक की कलम से	स्थायी स्तंभ	05
02	संपादक की कलम से	स्थायी स्तंभ	06
03	राजभाषा कार्यान्वयन समिति	स्थायी स्तंभ	07
04	विकिरण आपातकाल तैयारी – नवीनतम परिवर्तन	लेख	08-10
05	38वें एनपीआईएल स्थापना दिवस एवं 76वें हिंदी दिवस समारोह 2024 का संयुक्त आयोजन	रिपोर्ट	11-14
06	कन्नड़ की पहली बुकर विजेता – बानु मुश्ताक़	लेख	15-18
07	हिंदी गीत	कविता	18
08	कन्नड़ सह्याद्री संभ्रम आयोजन	झलकियाँ	19
09	विश्व पर्यावरण दिवस/ नेत्र चिकित्सा शिविर/रक्तदान शिविर/योग दिवस	झलकियाँ	20
10	विश्व हिंदी दिवस एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन	रिपोर्ट	21-22
11	डॉ बाबा साहेब अंबेडकर जयंती/कैगा स्थल पर निदेशक (मासं) का विजिट	झलकियाँ	23
12	आम की खास बात	लेख	24
13	सीएसआर गतिविधियाँ / प.ऊ.कें.वि. कैगा की 36वाँ वार्षिक दिवस समारोह	झलकियाँ	25-29
14	78वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह / 25वाँ वार्षिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह	झलकियाँ	30-31
15	हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन / कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन	रिपोर्ट	32-34
16	प्रशासनिक शब्दावली / तकनीकी शब्दावली	स्थायी स्तंभ	35
17	आफत में जान पड़ी है (सफर शब्दों का)	स्थायी स्तंभ	36
18	प्याज (फलों और सब्जियों से चिकित्सा)	स्थायी स्तंभ	37
19	विदाई समारोह	स्थायी स्तंभ	38-44
20	कैगा स्थल की छ:माही रिपोर्ट	रिपोर्ट	45-46
21	संविधान अंगीकृत दिवस समारोह	झलकियाँ	47
22	धूर्तता का फल / दुनिया का अनोखा नभचर	लघुकथा	48
23	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस / आयुध पूजा	झलकियाँ	49
24	श्री रामलिंगेश्वर मंदिर का संक्षिप्त परिचय	लेख	50
25	विकिरण आपातस्थिति, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए चिकित्सा प्रबंधन पर कार्यशाला /सेल्फी बूथ	झलकियाँ	51
26	39वाँ डीएई खेलकूद एवं सांस्कृतिक सम्मिलन / बर्ड मैराथन	झलकियाँ	52
27	विप्स वाकथान	रिपोर्ट	53
29	हास्य कवि सम्मेलन	रिपोर्ट	54-55
30	स्मृतिपटल	स्थायी स्तंभ	56-60
58-59	अणुसंकेत		

मुख्य संरक्षक महोदय की कलम से

कर्नाटक का गौरव कहे जाने वाले कैगा में स्थित बिजली उत्पादन केंद्र नाभिकीय संयंत्र प्रचालन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहा है।

मुझे यह कहते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि कैगा की इकाई-2 ने अपने व्यावसायिक प्रचालन के 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। ये 25 वर्ष बिना ईएमसीसीआर (EMCCR- En Masse Coolant Channel Replacement) की अवधि के हैं। हमारी इकाइयों ने 27 बार 300 या उससे अधिक दिनों का निरंतर प्रचालन किया है। यह समस्त विश्व जानता है कि हमारी इकाई-1 ने 962 दिन की निरंतर प्रचालन करके विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। यह सब पूरे एनपीसीआईएल परिवार तथा अनुषंगी संस्थाओं के सतत परिश्रम और सहयोग से संभव हो पाया है। आज हमारे संयंत्र कर्नाटक राज्य के साथ-साथ पूरे देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

हम तकनीकी और प्रौद्योगिकी के प्रयोग से नाभिकीय प्रचालन अनुभव को और परिष्कृत एवं संरक्षापूर्ण बना रहे हैं।

साथ ही तकनीकी प्रयोग द्वारा हम राजभाषा के प्रसार को भी नए शिखर पर पहँचा रहे हैं। विभिन्न आईटी टूल्स के सहयोग से राजभाषा के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा रहा है।

कंठस्थ अनुवाद सॉफ्टवेयर की सहायता से तकनीकी क्षेत्र में भी अब हिंदी का प्रयोग बढ़ रहा है।

इस अंक को सफल बनाने के लिए समस्त सहयोगकर्ताओं जिन्होंने आलेख, कविता, रिपोर्ट, कहानी, लघुकथा द्वारा अपना योगदान दिया है, वे सभी बधाई के पात्र हैं।

आशा है कि अणुसंकेत का यह अंक (58-59 अंक) आप सभी को रुचिकर लगेगा। आप सभी इस अंक का आनंद लें और संयंत्र प्रचालन और राजभाषा कार्यान्वयन में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें।

आपका

(बी विनोद कुमार)

संपादक की कलम से .....

प्रिय सुधी पाठको,

अणुसंकेत का 58-59 संयुक्त अंक आपको समर्पित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

इस अंक में विभिन्न आलेखों, रिपोर्टों, संयंत्र स्थल की गतिविधियों का अनूठा समायोजन किया गया है।

वर्षा ऋतु जैसे इंद्रधनुष अपने विभिन्न रंगों से सबको आकर्षित करता है, उसी प्रकार विभिन्न विधाओं की छटा से परिपूर्ण यह अंक आपके मन पर विचारों की छवि प्रस्तुत करेगा और आपको आनन्दित करेगा।

जिस प्रकार प्रकृति के इन्द्रधनुष में सभी रंगो का विलक्षण संयोजन है, उसी प्रकार राजभाषा हिंदी में भी अधिकाशत: भाषाओं एवं बोलियों का संयोजन है।

आइए समरसता की प्रतीक इन्द्रधनुषीय आभा वाली राजभाषा हिंदी का कार्यालय में अधिक से अधिक प्रयोग करें। और मानसून के मौसम में गृहपत्रिका के इस अंक का भरपूर आनंद लें।

आपके प्रतिक्रिया भरे पत्रों की प्रतीक्षा में ;

आपका

(बसंत कुमार सिंह)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

बी विनोद कुमार
स्थल निदेशक, कैगा स्थल

के श्रीराम
केंद्र निदेशक
केजीएस 1व2

जे एल सिंह
परियोजना निदेशक
कैगा 5व6

सुनिल कुमार ओझा
केंद्र निदेशक
केजीएस 3व4

रामैय्या नाच्चम्मै
तकनीकी सेवाएं अधीक्षक
केजीएस 1व2

जी के सुनिल
तकनीकी सेवाएं अधीक्षक
केजीएस 3व4

एस जे तिप्पेस्वामी
अपर मुख्य अभियंता
(ई&यूएस)

सदानंद एन कामत
प्रशिक्षण अधीक्षक

के आर मोहनराम, अपर
मुख्य अभियंता (संरक्षा)

डॉ अजय दुबे
चिकित्सा अधीक्षक

आर किरण
गुणवत्ता अधीक्षक

वाई रविंद्र बाबु
महाप्रबंधक (सीएमएम)

सुरेश के कोडते
प्रमुख (वित्त एवं लेखा)

सुवर्णा सतीश गांवकर
प्रमुख (मानव संसाधन)

अजय थॉमस
उप महाप्रबंधक (मासं)

मयूर गुप्ता
परियोजना अभियंता (योजना)
कैगा 5व6

बसंत कुमार सिंह
उप प्रबंधक (राजभाषा)

लेख

विकिरण आपातकाल तैयारी नवीनतम परिवर्तन :

आर रमेश
वैज्ञानिक अधिकारीई/, स्वास्थ्य भौतिक इकाई , केजीएस 1व2

परिचय

- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को इस तरह (एनपीपी) डिजाइन और संचालित किया जाता हैकि संचालन करने वाले कर्मचारी, जनता इसमें शामिल हों, आसपास के क्षेत्र और पर्यावरण को अनुचित विकिरण जोखिम के किसी भी उद्भासन से हमेशा सुरक्षित रखा जाता है।
- हालाँकि, परमाणु और रेडियोलॉजिकल आपातकालीन स्थिति पैदा करने वाली दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।
- इसलिए, कैगा डीएई केंद्र के लिए एक ऑफसाइट आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया योजना तैयार की गई है और आपातकालीन स्थिति से निपटने में शामिल कर्मियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है कि ऑफ-साइट रेडियोलॉजिकलप्रभाव होने पर असामान्य स्थितियों की अप्रत्याशित घटना से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहें।

आपातकाल तैयारी का उद्देश्य:

a) स्थिति को पुनः नियंत्रित करना और परिणामों को कम करना।
b) निश्चित प्रभावों को रोकना।
c) संभावित प्रभावों के खतरे को कम करना।
d) संकट चिकित्सा उपचार उपलब्ध तथा विकिरण क्षति के उपचार के लिए प्रथम उपचार करना।
e) लोगों की जान बचाना।
f) जनता को सूचित करना और उनका विश्वास जीतना।
g) जहाँ तक हो सके विकिरण के परिणामों को कम करना ।
h) जहाँ तक हो सके संपत्ति और पर्यावरण को सुरक्षित रखना।
i) जहाँ तक हो सके सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को सामान्य बनाने का प्रयास करना।

परिभाषाएं

- आपातकाल
- आपातकाल चेतावनी
- आपातकाल अभ्यास
- आपातकाल योजना
- आपातकाल प्रतिक्रिया संगठन
- एकत्र होने का स्थान
- आपातकाल शरण स्थान
- अपवर्जन क्षेत्र

आपातकाल वर्गीकरण, घोषणा एवं समापन

- संयंत्र आपातकाल
- स्थल आपातकाल
- स्थल बाह्य आपातकाल
- *घोषणा*
- *समापन*

परिवर्तन क्यों ?

- आईएईए संरक्षा मानकसामान्य संरक्षा गाइड : परमाणु या विकिरण (2011)जीएसजी आपातकाल हेतु तैयारी और प्रतिक्रिया में उपयोग के लिए मानदंड
- एईआरबी एसजी (2014) 05-ईपी –
- एकीकृत जिला आपदा प्रबंधन योजना डीडी) (एमपी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना- एवं एनडीएमए द्वारा (2016-एनडीएमपी)2016 2005- डी एम अधिनियमके आधार पर दुर्घटना प्रतिक्रिया प्रणाली (आईआरएस)
- तदनुसार, ऑफ़ साइट ईपीआर योजना - नाभिकीय आपातकाल, जो अब एकीकृत डीडीएमपी का एक भाग बनेगा, उसको भी संशोधन के लिए शुरु किया गया था ।
- एनडीएमए द्वारा सीएमजीडीएई-, एनपीसीआईएल, बीएआरसी के परामर्श से एक टेम्पलेट विकसित किया गया था और स्थानीय अधिकारियों के लिए जारी किया गया था।
- प्रतिक्रिया संगठनों यानी जिला/राज्य प्राधिकरणों और एनपीपी के लिए ऑफ-साइट ईपीआर

योजनाएं अब उनकी संबंधित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को कवर करने वाले अलगअलग - दस्तावेज होंगे।

- एईआरबी के एक विशेषज्ञ समूह (ईजी) ने एनडीएमपी-2016 के अनुरूप एनपीपी की ऑफ-साइट ईपीआर योजना, परमाणु/रेडियोलॉजिकल आपात स्थितियों के प्रबंधन पर नवीनतम नियामक आवश्यकताओं और मार्गदर्शन और ऑफ-साइट आपात स्थिति से निपटने के लिए संशोधित परिचालन ढांचे के लिए एक टेम्पलेट विकसित किया है।टेम्पलेट के अनुसार, एनपीपी को नई पद्धति का पालन करते हुए ऑफसाइट आपातकालीन - अभ्यास के संचालन के लिए संयंत्र विशिष्टआरंभिक स्थितियों और (आईसी)आपातकालीन कार्रवाई स्तर (ईएएल), संयंत्रसाइट विशिष्ट सुरक्षा रणनीति और / विशिष्ट प्रक्रियाओं को विकसित कर-साइटने और बनाए रखने की आवश्यकता है।
- कैगा डीएई केंद्र के लिए वर्तमान ऑफ साइट- - संशोधन) आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया मैनुअल 03) - जनवरी-2011 में अनुमोदित किया गया था।
- वर्तमान संशोधन -.संशो)04) में शामिल एनपीपी (डीएई) और जिला अधिकारियों की जिम्मेदारियों का पृथक्करण।
- एनपीपी साइट -द्वारा उपयोग के लिए ऑफ (डीएई) एईआरबी द्वारा अनुमोदन के (ए-भाग) ईपीआर योजना लिए साइट अधिकारियों द्वारा तैयार की जाती है।
- जिला प्रशासन द्वारा उपयोग के लिए ऑफसाइट ईपीआर - एनडीएमए द्वारा जारी दस्तावेज़ तैयारी (बी-भाग) योजना के अनुरूप जिला अधिकारियों द्वारा (डीपीपी) प्रोफ़ाइल तैयार की जाती है।
- वर्तमान संशोधन में प्रारंभिक स्थितियों और आपातकालीन कार्रवाई स्तरों के माध्यम से आपातकालीन स्थितियों के वर्गीकरण में लाए गए परिवर्तनों को शामिल किया गया है।
- स्थल विशेषज्ञ आपातकाल तत्परता की तैयारी के लिए एक समिति का गठन एवं टेम्पलेट के अनुरुप प्रतिक्रिया योजना।

वर्तमान संशोधन (मुख्य परिवर्तन)

- ऑफसाइट ईपीआर ढांचे का पुनर्गठन।-
- विकिरण आपातकालीन प्रतिक्रिया निदेशक -एनडीएमपी) डीएई की भूमिका शामिल है-(आरईआरडी) 2016 और सीएमजी(एसओपी के अनुरूप-
- ऑफसाइट आपातकाल की घोषणा और समाप्ति की - प्रक्रिया को संशोधित किया गया है।
- ऑफ साइट आपातकाल को-तीन चरणों में विभाजित किया गया है प्रारंभिक चरण -, मध्यवर्ती चरण और अंतिम चरण; रिलीज़ की स्थिति, उपायों के प्रकार और तात्कालिकता और एक्सपोज़र मार्गों की प्रासंगिकता जैसे पहलुओं पर विचार करना।
- आपातकालीन स्थिति के दौरान ऑन-साइट आपातकालीन सहायता केंद और ऑफ-साइट आपातकालीन सहायता केंद्र की भूमिका परिभाषित की गई है।समझने में आसानी के लिए आपातकालीन कार्रवाई प्रवाह आरेख और ऑफ साइट आपातकालीन कार्रवाई प्रवाह डायग्राम-आरंभ किए गए हैं।
- इसके कार्यान्वयन के लिए ऑफसाइट आपातकालीन - योजना और संदर्भ और (ईपीआर) तैयारी और प्रतिक्रिया अलग किया – प्रक्रियाओं को अलग/सहायक दस्तावेजों गया है।
- योजना की तैयारी करते समय संरक्षा गाईड एईआरबी / एनआरएफ / एसजी / ईपी-5 का उल्लेख किया गया है।
- आरंभिंक स्थितियाँ एवं आपातकाल कार्रवई स्तर (आईसी और ईएएल) की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज़ के अनुसार योजना में शामिल शर्तों और आपातकालीन कार्रवाई स्तरोंकी शुरुआत करना। (आईसी और ईएएल)
- परमाणु आपातकाल के प्रारंभिक चरण की प्रतिक्रिया में एहतियाती और तत्काल सुरक्षात्मक कार्रवाइयों पर टीईसीडीओसी सहायक दस्तावेज़ के रूप में प्रदान किया गया।

- आईसी के लिए स्रोत अवधि अनुमान पर डिजाइन गणना, पीएजेड और यूपीजेड का मूल्यांकन और केजीएस के लिए ऑफ-साइट आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया योजना के लिए सुरक्षा रणनीति का विकास शामिल किया गया है।कैगा साइट के लिए आरएस एंड ए, एनपीसीआईएलमुख्यालय द्वारा जारी सुरक्षा -

रणनीति को योजना में परिशिष्ट के रूप में शामिल किया गया है।

- आवधिक आपातकालीन अभ्यासों के दौरान प्राप्त फीडबैक का समावेश।

<u>मुख्य परिवर्तन</u>

- विषय वस्तु
- आपातकालीन योजना जोन
- प्रचालनात्मक मण्यस्थता स्तर
- वास्तविक समय ऑनलाइन निर्णय सहायक प्रणाली
- सुरक्षात्मक कार्रवाईसंस्तुतियाँ
- सुरक्षात्मक रणनीति में उपयोग हेतु ट्रिगर स्तर
- आपातकालीन कामगारों को डोज की प्रतिबद्धित मात्रा के दिशा निर्देश का महत्व
- ऑफसाइट आपातकाल में नया दृष्टिकोण

वार्षिक कार्यक्रम में वर्ष 2025 एवं 2026 हेतु निर्धारित लक्ष्य

1. हिंदी में मूल पत्राचार – क क्षेत्र से .....

1	क से क क्षेत्र	100 प्रतिशत
2	क से ख क्षेत्र	100 प्रतिशत
3	क से ग क्षेत्र	70 प्रतिशत
4	क से ख व ग क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति को	100 प्रतिशत

हिंदी में मूल पत्राचार – ख क्षेत्र से .....

1	ख से क क्षेत्र	90 प्रतिशत
2	ख से ख क्षेत्र	90 प्रतिशत
3	ख से ग क्षेत्र	60 प्रतिशत
4	ख से क व ग क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति को	90 प्रतिशत

हिंदी में मूल पत्राचार – ग क्षेत्र से .....

1	ग से क क्षेत्र	60 प्रतिशत
2	ग से ख क्षेत्र	60 प्रतिशत
3	ग से ग क्षेत्र	60 प्रतिशत
4	ग से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति को	60 प्रतिशत

76वें हिंदी दिवस एवं 38वें एनपीसीआईएल स्थापना दिवस समारोह -2024 के संयुक्त आयोजन

कैगा स्थल में दिनांक 17 सितंबर 2024 को 76वें हिंदी दिवस एवं 38वें एनपीसीआईएल स्थापना दिवस समारोह का संयुक्त आयोजन केजीएस, सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदरणीय श्री पी.जी.रायचूर, स्थल निदेशक, कैगा स्थल सहित श्री बी. विनोद कुमार, केंद्र निदेशक, केजीएस 3व4, श्री वाई.बी.भट्ट, केंद्र निदेशक केजीएस 1व2, श्री जे.एल.सिंह, परियोजना निदेशक, कैगा 5व6 एवं श्रीमती सुवर्णा एस. गावँकर, प्रमुख (मा. सं.), राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यगण तथा उप महाप्रबंधक (मा.सं.-रा.भा.) एवं प्रबंधक (राजभाषा) भी उपस्थित थे।

सर्वप्रथम पौधा भेंटकर स्वागत के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे की वंदना से किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्थल निदेशक ने सभी को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई। तत्पश्चात, श्रीमती सुवर्णा एस. गावँकर, प्रमुख (मा. सं.) ने इस अवसर पर हिंदी दिवस और एनपीसीआईएल स्थापना दिवस की बधाई दी और मुख्य अतिथि सहित सभी का हार्दिक स्वागत कर राजभाषा हिंदी की संक्षिप्त जानकारी दी। इसके पश्चात श्री सुधीर कुमार पोखरना, प्रबंधक (राजभाषा) ने भी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर सभी को शुभकामनाएं दी और राजभाषा अनुभाग की गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की । हिंदी दिवस के अवसर पर भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से प्राप्त संदेश का वाचन श्री जे.एल. सिंह, परियोजना निदेशक, कैगा 5व6, ने किया। सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, डॉ. ए. के. मोहंती के हिंदी दिवस संबंधी संदेश का वाचन श्री वाई.बी.भट्ट, केंद्र निदेशक, केजीएस1व2 ने किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनपीसीआईएल श्री भुवन चंद्र पाठक से प्राप्त हिंदी दिवस संबंधी संदेश का वाचन श्री बी. विनोद कुमार, केंद्र निदेशक, केजीएस 3व4 ने किया।
कार्मिकों में हिंदी भाषा का प्रचार व प्रसार बढ़ाने एवं कार्यक्रम को अधिक आकर्षक एवं मनोरंजन से भरपूर बनाने के उद्देश्य से कुछ गीतों को भी प्रस्तुत किया गया
इस अवसर पर एनपीसीआईएल में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण कर चुके कार्मिकों को कलाई घड़ी और प्रशंसा पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया ।

कैगा स्थल में वित्त वर्ष अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान 12 मासिक हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 535 कार्मिकों ने भाग लिया जिनमें 141 कार्मिकों ने पुरस्कार प्राप्त किए। इस अवसर पर विजेताओं को मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किए गए और निर्णायकों को भी सम्मनित किया गया।

मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम सभी को 76वें हिंदी दिवस एवं 38वें एनपीसीआईएल स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और संदेश पठनकर्ताओं की सराहना की। हिंदी प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को बधाई भी दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और राजभाषा में कार्य करना हम सबका संवैधानिक दायित्व है। केंद्र सरकार सभी सरकारी कार्यालयों में हिंदी भाषा के प्रचार और प्रचार के लिए गंभीरता एवं सकारात्मक रूप से प्रयास कर रही है। आप सब भी थोड़ा प्रयास और अभ्यास से सरलता से हिंदी में कार्य कर सकते हैं। तकनीकी शब्दों को अनुवाद किए बिना देवनागरी में लिख सकते हैं। आप सब बहुत रूचि और निष्ठा से कार्य करते हैं इसलिए कैगा इकाई 'ग' क्षेत्र में होते हुए भी राजभाषा कार्यान्वयन में आगे है।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक एवं श्रीमती दीपा भट ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री राजेश कुमार पात्र, वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं.) ने दिया । राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

राजभाषा अनुभाग,
कैगा स्थल

एनपीसीआईएल स्थापना दिवस एवं हिंदी दिवस समारोह का संयुक्त आयोजन

एनपीसीआईएल स्थापना दिवस एवं हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि सहित विशिष्ट अतिथिगण एवं कार्मिकगण

राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाते हुए मुख्य अतिथि श्री पी.जी.रायचूर, स्थल निदेशक. कैगा स्थल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,एनपीसीआईएल,
श्री बी. सी. पाठक से प्राप्त हिंदी दिवस संबंधी संदेश का वाचन करते हुए श्री बी. विनोद कुमार, केंद्र निदेशक, केजीएस-3व4

सचिव ,परमाणु ऊर्जा विभाग डॉ. ए.के. मोहंती के हिंदी दिवस संबंधी संदेश का वाचन करते हुए
श्री वाई. बी. भट्ट, केंद्र निदेशक, केजीएस-1व2

भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी से प्राप्त हिंदी दिवस संबंधी संदेश का वाचन करते हुए
श्री जे. एल. सिंह, परियोजना निदेशक, कैगा 5व6

श्रीमती सुवर्णा एस.गांवकर, प्रमुख (मा.सं.) कैगा स्थल मंचासीन अतिथिगण एवं सभाजनों का स्वागत करती हुई

श्री सुधीर कुमार पोखरना, प्रबंधक (राजभाषा) कैगा स्थल राजभाषा कार्यान्वयन की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए

सरस्वती वंदना प्रस्तुत करती हुई श्रीमती जया सिर्सीकर एवं श्रीमती ए.कमला

कार्यक्रम का संचालन करती हुई श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

38वें एनपीसीआईएल स्थापना दिवस समारोह -2024 पर 25 वर्ष सेवा अवधि पूर्ण किए गए कार्मिकों का सम्मान

श्री प्रवीण कुमार जैन, एसएमई, एमएमयू, 3व4

श्री जितेंद्र कुमार, अपर महाप्रबंधक (सीएमएम)

श्री संतोष कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएमएम)

श्री राजेश कुमार पै, वैज्ञानिक सहायक- एफ

श्री गुंडु डी मोरे, वरिष्ठ तकनीशियन/एच

श्री एम राजप्पा, वरिष्ठ तकनीशियन/एच

श्री यल्लप्पा चन्नबसप्पा हुक्केरी, वरिष्ठ तकनीशियन/एच

प्रेम प्रेम से होय प्रेम से पारहि जइये ।
प्रेम-बंधे संसार प्रेम परमारथ पईये ।।

– संत कबीरदास

प्रेम से प्रेम होता है । प्रेम ही भव-संतरण का ऐकान्तिक आधार है ।
प्रेम से ही संसार बंधा हुआ है और प्रेम से ही परमार्थ तत्व की प्राप्ति संभव है ।

कन्नड की पहली बुकर विजेता बानू मुश्ताक़

बानू मुश्ताक़ कर्नाटक की कन्नड़ लेखिका जिसका नाम आज दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। उन्हें 2025 में 'अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उनके लघु कथा संग्रह 'हार्ट लैंप' (एदेय हणते) के लिए मिला है, मूलतः यह कहानी कन्नड़ भाषा में लिखी गई है जिसका अंग्रेजी अनुवाद दीपा भस्ती ने किया है। बानू मुश्ताक़ कर्नाटक की एक ऐसी भारतीय लेखिका हैं जो सामाजिक कार्यकर्ता के साथ-साथ वकील भी हैं। उन्होंने 6 लघु कहानी संग्रह, एक उपन्यास, एक निबंध संग्रह और एक कविता संग्रह का प्रकाशन किया है। उनके अधिकतर कृतियों का उर्दू, हिंदी, तमिल, मलयालम और पंजाबी तथा अंग्रेजी में अनुवाद हो चुका है।

कर्नाटक के कन्नड साहित्य में दो ऐसी मुस्लिम लेखिका हैं जिनका नाम कन्नड़ साहित्य जगत में बड़े आदर से लिया जाता है। पहली लेखिका **सारा अबूबकर** हैं तो दूसरी **बानू मुश्ताक़**। दोनों का जीवन उतना सुखमय नहीं था फिर भी रूढ़िवादी मुस्लिम माहौल से निकलकर उन्होंने अपने स्वयं का मार्ग चुना, जो कष्टों से भरा हुआ था। उन्होंने अपने समाज में रहकर, वहां की खूबी और कमियों को अपने साहित्य का आधार बनाया। बानू मुश्ताक़ का जन्म 3 अप्रैल 1948 को कर्नाटक के हासन में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा उर्दू माध्यम से शुरू हुई। बानू मुश्ताक़ छोटे से कस्बे में मुस्लिम इलाकों में पली-बड़ी और अपने आसपास के लड़कियों की तरह उसने भी स्कूल में उर्दू भाषा में कुरान का अध्ययन किया।

जब वह 8 साल की थी तो पिता ने उनका दाखिला शिवमोगा शहर के एक कन्नड़ भाषी मिशनरी स्कूल में किया लेकिन स्कूल में उनका दाखिला बड़ी मुश्किल से हुआ। उन्होंने शर्त रखी कि 6 महीने में कन्नड़ भाषा पढ़ना-लिखना और सीखना होगा क्योंकि उन्हें डर था कि यह लोग उर्दू बोलते हैं पर कन्नड़ पर उनकी उतनी पकड़ नहीं होती। बानू मुश्ताक़ ने उनके विचारों को गलत साबित किया और कुछ ही महीनों में कन्नड़ भाषा में अच्छे अंक भी प्राप्त किए तथा आगे चलकर कन्नड की प्रसिद्ध साहित्यकार भी बन गई। उस समय मुस्लिम परिवारों में लड़कियों को ज्यादा पढ़ाया नहीं जाता था पर बानू मुश्ताक़ का साथ उनके पिता ने दिया, वे एक सरकारी कर्मचारी थे और वे अपनी बेटी को पढ़ाना चाहते थे। समुदाय की अपेक्षाओं के विपरीत उन्होंने विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। उनके अधिकतर सहेलियों की शादी हो चुकी थी और वह परिवार और बच्चों का

लालन पालन कर रही थी लेकिन बानू मुश्ताक़ एक ऐसी लड़की थी जो कहानी भी लिख रही थी और आगे पढ़ने की तैयारी भी कर रही थी। यह अलग बात है कि उनकी कहानी को प्रकाशित होने में कई वर्ष लग गए, कारण यही था उनका जीवन काफी चुनौती पूर्ण था। मुस्लिम परिवार में इस तरह लड़कियों को पढ़ने और लिखने का अधिकार नहीं था। 26 वर्ष की उम्र में उन्होंने प्रेम विवाह किया और उसी समय उनकी लघु कहानी एक स्थानीय पत्रिका में प्रकाशित हो गई थी।

बानू मुश्ताक़ का प्रेम विवाह व्यवसायी मोइनुद्दीन मुश्ताक़ से हुआ था पर वह भी कट्टर मुस्लिम परिवार का था। उनके शादी के प्रारंभिक साल संघर्ष और क्लेश से भरा हुआ था। उन्हें आजादी पसंद था पर शादी ने भी उनके पैरों में बेड़ी डाल रखी थी। उन्होंने इस दर्द को अनेक साक्षात्कारों में खुलकर कहा है। एक पत्रिका के साक्षात्कार में उन्होंने कहा था – "मैं हमेशा से लिखना चाहती थी, लेकिन मेरे पास लिखने के लिए कुछ भी नहीं था, क्योंकि प्रेम विवाह के बाद अचानक मुझे बुर्का पहने और घरेलू कामों में खुद को समर्पित करने के लिए कहा गया। मैं 29 साल की उम्र में प्रसवोत्तर अवसाद से पीड़ित एक मां बन गई ।" यानी उन्हें घर के चार दिवारी में कैद करने की कोशिश की जा रही थी लेकिन आगे चलकर एक ऐसी घटना घटित हुई जिसने बानू मुश्ताक़ की जिंदगी पलट कर रख दी। इसे हम घटना ना कह कर बानू मुश्ताक़ का विद्रोह कह सकते हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में इस विद्रोह का उल्लेख किया है- "एक बार, निराशा के आवेश में, मैं खुद पर सफेद पेट्रोल डाल लिया और खुद को आग लगाने का इरादा किया। शुक्र है कि पति ने समय रहते इसे भाप लिया मुझे गले लगाया और माचिस छीन ली। उसने मुझसे विनती की, हमारे बच्चों को मेरे पैरों पर रखते हुए कहा- हमें अकेला मत छोड़ो।" इस घटना के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। वे संयुक्त परिवार से अलग हो गई क्योंकि परिवार को यह सब पसंद नहीं था। अपने परिवार को चलाने के लिए बानू मुश्ताक़ ने सिलाई का काम भी किया साथ ही वक़ालत भी की।

सन 1981 और 1990 के बीच उन्होंने कन्नड़ के प्रसिद्ध पत्रिका 'लंकेश' में एक रिपोर्टर के रूप में भी काम किया। वे 1980 के दशक में कन्नड के 'बंडाय आंदोलन' यानी (मार्क्सवादी आंदोलन) से भी जुड़ी रही। यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए था। यानी इसमें विरोध की परंपरा थी साथ ही मुसलमान और दलितों के न्याय के लिए आवाज भी थी। इसी बीच 1983 में बानू मुश्ताक़ हासन शहर सिटी म्युनिसिपल काउंसिल के सदस्य बन गई और दो कार्यकाल तक सेवा की। सन 1990 में उन्होंने परिवार की सहायता के लिए वक़ालत शुरू की। बानू मुश्ताक़ कन्नड की ऐसी लेखिका हैं जिनकी कहानी बदलते हुए आस्था, लिंग भेद और प्रतिरोध के विषय पर केंद्रित है। उनकी एक कहानी 'ब्लैक कोबरा' पर कन्नड़ के प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक गिरीश कासरवळ्ळी ने 'हसीना' नाम से फिल्म बनाई जिसे 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार भी मिला। सन 1999 में 'कर्नाटक राज्य साहित्य अकादमी' के पुरस्कार से भी उन्हें नवाज़ा गया। इतना ही नहीं 2024 में उनकी कहानियों का संग्रह 'हसीना और अन्य कहानी' के अंग्रेजी अनुवाद को 'अंग्रेजी पेन' अनुवाद पुरस्कार भी मिला है। इसका अनुवाद भी दीपा भस्ती ने किया था। दीपा भस्ती वही अनुवादक हैं जिसके कारण उन्हें 'बुकर पुरस्कार' मिला। बानू मुश्ताक़ बुकर पुरस्कार जीतनेवाली पहली कन्नड की लेखिका हैं जिसने कर्नाटक में इतिहास

रच दिया है। कन्नड की यह पहली लेखिका हैं तो भारत की दूसरी लेखिका, भारत की पहली लेखिका गीतांजली श्री हैं जिन्हें पहला बुकर पुरस्कार मिला था तो दूसरा पुरस्कार बानू मुश्ताक़ को मिला है। बानू मुश्ताक़ के हार्ट लैम्प कथा साहित्य में12 कहानियों का संग्रह जो कर्नाटक में मुस्लिम महिलाओं के रोजमर्रा के संघर्षों का वृतांत है। जो 1990 से 2023 तक के तीन दशकों तक फैला है।

बानू मुश्ताक़ 1980 के दशक से ही कर्नाटक में कट्टरपंथ और सामाजिक अन्याय को कम करने वाले कार्यकर्ता आंदोलन में शामिल रही हैं। यह बात उनके समुदाय के लोगों को भी चुभ रही थी। वे बानू मुश्ताक़ का विरोध भी कर रहे थे। सन 2000 में उन्होंने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिद प्रवेश के अधिकार के वकालत की थी जिसके कारण उसके परिवार के खिलाफ तीन महीने के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा की गई थी। इतना ही नहीं पूरा मुस्लिम समाज उनके विरुद्ध हो गया था और एक आदमी ने तो उन पर चाकू से हमला भी किया था लेकिन पति के कारण वह बच गई। कर्नाटक के चिकमगलूर जिले के बाबा बुडनगिरी में एक मंदिर है जहां हिंदू मुसलमान दोनों जाते हैं। आज इस मंदिर को लेकर हिंदू मुसलमान में एक जंग छिड़ी है। बड़े पैमाने पर इस मंदिर में मुसलमानों को जाने से रोकने का प्रयास हुआ है लेकिन बानू मुश्ताक़ ने इन प्रयासों का विरोध किया। कर्नाटक में स्कूल और कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के हिजाब पहनने के अधिकार का विरोध हुआ तो उन्होंने हिजाब का समर्थन किया। कहने का अर्थ यह है कि बानू मुश्ताक़ जहां अन्याय होता है वहां पर न्याय की बात करती है। उसकी नजरों में सभी धर्म समान हैं। बानू मुश्ताक़ की कहानियों का मुख्य विषय पारंपरिक समुदाय में महिलाओं की आकांक्षा और संघर्ष, सामाजिक और प्रणालीगत उत्पीड़न के आलोचनात्मक विश्लेषण, परिवारों के भीतर पारस्परिक संबंध और व्यापक सामाजिक अपेक्षाओं का अन्वेषण, भ्रष्टाचार, हिंसा और भेदभाव को पूरी ईमानदारी के साथ लिखना तथा सामाजिक मानदंडों की आलोचना के लिए शुष्क बुद्धि और कोमल हास्य का उपयोग आदि है।

बुकर पुरस्कार से सम्मानित कहानी कथा संग्रह 'हार्ट लैंप' (एदेय हणते) दक्षिण भारत के समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से निकली है, जिसमें मुस्लिम समुदायों में महिलाओं और लड़कियों के रोजमर्रा के अनुभव को सोच समझकर दर्शाया गया है। दक्षिण भारत में यानी मुस्लिम महिलाओं के रोजमर्रा के जीवन पर प्रकाश डालता है, जिसमें हाथ से लचीलापन और सामाजिक आलोचना का मिश्रण है। जो कन्नड़ साहित्य के लिए मील का पत्थर है। यह लघु कथा संग्रह एक पत्रकार और वकील के रूप में बानू मुश्ताक़ के जीवन को दर्शाती है जिसमें देश के अपने हिस्से में महिलाओं के अधिकार और जाति, धार्मिक अन्याय के प्रतिरोध पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह संग्रह केवल बानू मुश्ताक़ की साहित्यिक उत्कृष्टता को रेखांकित ही नहीं करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर दक्षिण एशियाई साहित्य की विविधता और गहराई को बढ़ावा भी देता है। आज इसकी चर्चा विश्व में सभी तरफ हो रही है। बुकर इंटरनेशनल के निर्णायक मंडल के अध्यक्ष मैक्स पोर्टर ने इस लघु कथा संग्रह के संबंध में कहा है- "हालांकि इन कहानियों में नारीवाद हैं और इनमें पितृसत्तात्मक व्यवस्था और प्रतिरोध के असाधारण विवरण हैं, लेकिन सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह रोजमर्रा की जिंदगी और खास तौर पर महिलाओं के जीवन का खूबसूरत विवरण है", तो 'द गार्जियन' ने टिप्पणी की कि "

यह एक अद्‌भुत संग्रह है स्वर शांत से लेकर हास्य पूर्ण तक भिन्न है, लेकिन दृष्टि सुसंगत है।" नासिरा शर्मा, खतीजा मुमताज. फरीदा खानम, मारिया मासी डकेक, आयशा बिवली आदि की तरह बानू मुश्ताक़ का नाम भी विश्व के साहित्य जगत में प्रसिद्ध हो गया है। नासिरा शर्मा हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार है जिन्होंने मुस्लिम महिलाओं को अपने साहित्य के माध्यम से न्याय दिलाने की कोशिश की है। खतीजा मुमताज मलयालम साहित्यकार है जो पेशे से चिकित्सक है 2010 में उनके उपन्यास 'बरसा' के लिए केरल साहित्यिक पुरस्कार भी मिला है। फरीदा खानम एक इस्लामिक विद्वान, वक्ता, लेखिका, अनुवादक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। यह भी महिला हक की बातें करती हैं। मारिया मासी डकेक एक अमेरिकी विद्वान हैं जिन्होंने शिया और सूफी परंपरा और महिला पर अपना शोध किया है। आयशा बिविल अमेरिकन लेखिका हैं जिन्होंने कुरान का अनुवाद अंग्रेजी में किया है। इनमें बानू मुश्ताक़ का नाम भी शामिल हो जाएगा जो एक पत्रकार और वकील होकर अपने अनुभव के माध्यम से समाज में हो रहे अन्याय के विरुद्ध अपनी कलम चला रही हैं।

****

प्रो. सुमा.टी. रोडनवर,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
विश्वविद्यालय कॉलेज,
मंगलूरु, कर्नाटक

हिंदी गीत

हिंदी है एक प्रेम की भाषा
सारे राष्ट्र को जोड़ रही है
हिंदी है एक प्रेम की भाषा

देवनागरी लिपि इसकी है
पुष्प गुच्छ है स्वर व्यंजन का
देश का उपवन खिलता रहे
ऐसी है हिंद की अभिलाषा

देश की उन्नति में है सहायक
संस्कृति, विरासत की है वाहक
आओ मिलकर प्रण ये करें
हिंदी को हम सब अपनाए

प्रसाद गोखले
प्राचार्य, परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय,कैगा

कैगा टाउनशिप में सह्याद्री संभ्रम आयोजन (अप्रैल 2024)

विश्व पर्यावरण दिवस – 2024

रक्तदान शिविर -2024

नेत्र चिकित्सा शिविर -2024

योग दिवस-2024

कैगा स्थल में विश्व हिंदी दिवस एवं 20वीं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

कैगा स्थल द्वारा कार्मिकों में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार को बढ़ावा देने हेतु मुख्यालय के निर्देशानुसार समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में राजभाषा अनुभाग, कैगा स्थल द्वारा दिनांक 10.01.2025 (शुक्रवार) को प्रशासन भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में विश्व हिंदी दिवस एवं 20वीं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल, श्री एस. मुखर्जी, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, नाभिकीय प्रशिक्षण केंद्र, कैगा स्थल, श्रीमती सुवर्णा एस गावंकर, प्रमुख (मा.सं.) तथा श्री बसंत कुमार सिंह, उप प्रबंधक (राजभाषा) उपस्थित थे।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल तथा अन्य मंचासीन अतिथियों ने विधिवतदीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री बसंत कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए विश्व हिंदी दिवस के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी एवं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात श्रीमती सुवर्णा एस गांवकर, प्रमुख (मा.सं.) कैगा स्थल ने अपने संबोधन में सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी एवं साथ ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। श्री एस. मुखर्जी, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, नाभिकीय प्रशिक्षण केंद्र, ने तकनीकी क्षेत्र में हिंदी को बढ़ावा देने पर बल दिया एवं विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्यालय से प्राप्त संदेश का पठन किया। साथ ही राजभाषा हिंदी के प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल ने सबसे पहले सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। हिंदी के कार्यान्वयन पर बल दिया। साथ ही कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेने से नए-नए शब्दों से परिचित होने का मौका मिलता है। इस कार्यक्रम का लाभ उठाने एवं हिंदी में कार्य करने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। इसके बाद 20वीं हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आरंभ किया गया। संगोष्ठी में कुल सात (07) आलेख प्रस्तुत किए गए । संगोष्ठी में प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्री एस. मुखर्जी, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, नाभिकीय प्रशिक्षण केंद्र द्वारा की गई। प्रथम सत्र में श्री इमेनुअल गुरम, वरिष्ठ तकनीशियन/एच1,रसायन प्रयोगशाला, केजीएस 1व2 ने 'बीएसडी के दौरान रसायन नियंत्रण अनुभाग द्वारा एंटीमनी की रिहाई को नियंत्रित करने के लिए अपनाई गई अच्छी पद्धतियां, जिससे स्टेशन सामूहिक डोज कम हो जाती है।' विषय पर श्री के.ए.शाजीमोन, वैज्ञानिक सहायक/ई,भारी जल प्रबंधन 1व2 ने 'हाउसकीपिंग' विषय पर, श्री आर रमेश, वैज्ञानिक अधिकारी/ई, स्वास्थ्य भौतिक इकाई, केजीएस 1व2 ने 'विकिरण आपातकाल तैयारी : नवीनतम परिवर्तन ' विषय पर, श्री मुकुंद गर्ग, वैज्ञानिक अधिकारी/डी, प्रचालन 1व2 ने 'भारत का त्रिचरणीय नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रत्येक आलेख की समाप्ति पर संबंधित प्रस्तुतकर्ता से प्रश्न पूछकर शंकाओं का समाधान किया गया और सत्राध्यक्ष ने भी अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की।
द्वितीय सत्र में श्री अनवर बाशा एम.शेख, फोरमैन/बी, प्रचालन, 3व4 ने 'केजीएस इकाई-3 में "बीसीडी आउटलेट टी – ज्वाइंट" रिसाव से निपटने के लिए प्रचालन विभाग द्वारा संचालित अनुभव समीक्षा ।' विषय पर, श्री आशिष लाल, उप प्रबंधक, मानव संसाधन, कैगा स्थल ने 'नेट ज़ीरो' विषय पर और श्री वैभव मिश्र, वैज्ञानिक अधिकारी/सी, प्रचालन 3व4 ने 'भारत का त्रिचरणीय नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम' विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रत्येक आलेख की समाप्ति पर संबंधित प्रस्तुतकर्ता से प्रश्न पूछकर शंकाओं का समाधान किया गया और सत्राध्यक्ष ने भी अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की।

इसके बाद प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया और आलेख प्रस्तुतकर्ताओं को सत्राध्यक्ष द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। स्वयं श्री एस. मुखर्जी, वैज्ञानिक अधिकारी/एच, नाभिकीय प्रशिक्षण केंद्र, ने कहा कि संगोष्ठी के विषय काफ़ी लाभदायक और जानकारीप्रद थे। सभी आलेख प्रस्तुतकर्ताओं ने बड़ी कुशलता से अपने आलेखों को प्रस्तुत किया। हमारी कैगा इकाई में लोग राजभाषा हिंदी के प्रति काफ़ी जागरुक हैं और हमें भविष्य में हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करना है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का धन्यवाद अर्पित किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम एम. के, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, कैगा स्थल एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रशांत श्रीवास्तव, सहा.ग्रेड – 1, मा.सं. द्वारा किया गया ।

- राजभाषा अनुभाग, कैगा स्थल

दीप प्रज्वलन करते स्थल निदेशक श्री बी विनोद कुमार

श्री बी विनोद कुमार स्थल निदेशक द्वारा प्रतिभागियों को संबोधन

व्याख्याताओं को सम्मानित करती प्रमुख(मा.सं.) श्रीमती सुवर्णा गांवकर एवं सत्राध्यक्ष श्री एस मुखर्जी, वरि.प्रशि.अधिकारी,

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रीमती अफरोज़ा बेगम, वरि.हिंदी अनुवादक

समूह चित्र

'' मातेव रक्षति पितेव हिते नियुंक्ते
करन्तेव चाभिरमयत्यपनीय खेदम।
लक्ष्मी तनोति विनोति च दिक्षु कीर्ति
किं किम न साधयति कल्पलतेव
विद्या।। ''

अर्थात् जीवन यात्रा में विद्या माता के समान रक्षा करती है, पिता के समान हितकारी कार्यों में संलग्न करवाती है, पत्नी के समान कष्ट को दूर कर आनंदित और प्रफुल्लित करती है। विद्या चारों दिशा में कीर्ति का विस्तार कर धन-धान्य से समृद्ध बनाती है। इस प्रकार कल्पलता के समान सभी फल देने वाली विद्या सबकुछ प्रदान करती है।

डॉ बाबा साहेब अंबेडकर जी की133वां जन्म दिवस समारोह

कैगा स्थल में निदेशक मानव संसाधन, मुख्यालय का विजिट

"आम" की खास बात

फलों का राजा "आम", नाम भले ही "आम" हो मगर आम-लोगों से लेकर बडे-बडे लोगों की पहली पसंद है। एक जमाना हुआ करता था की इस चहीते "आम" के लिए खास ऋतु का इंतजार करना पडता था। मगर आज कल सूपर-मार्केट/मॉल में "आम" आम-तौर पर मिल जाते है हर मौसम में (ताजें ना सही फ्रोजन ही सही)। वरना ऐसा होता की यह लेखन लिखना शुरु किया था तब "आम" बाजार में बस कदम रख रहे थे और जब यह लेखन पूरा होकर छपने जाएगा तब "आम" का मौसम निकल गया होता और पढनेवाले केवल आम के मौसम में खाए आमों को याद करते, जिसने लेख लिखा है उसको कोसते कि इसने क्यों बेमौसम आम की याद दिला दी। उदास होने का कोई कारण नहीं बनता क्यों की आम भी अब हर मौसम में मॉल में फ्रोजन अवस्था में मिल जाते है बस ज्यादा "भाव" देने पडेंगे।

"आम" एक ऐसा फल है जिस में कई प्रकार/प्रभेद है। जैसे बैगनपल्ली, दसेरी, मलगोबा, अफांसो, जीरा आम, तोतापुरी, ईशाड, सिंदूरी, पहेरी, नीलम, मल्लिका..... वॉह आम-नाम से लेकर मल्लिका तक नामांकित "आम" की शान बडी है। जितने नाम उतने ही स्वाद और खुशबू, मगर कभी कभी एसा भी होता है कि नाम व दाम बडे मगर स्वाद फीके। चाहे "आम" गली-सडकों के किनारे टोकरी में विराजमान होकर बाजार में दर्जन 300-400 रूपए शुरुआती भाव में बिके या किलो हजारों के भाव किसी मॉल में, मगर "आम" हर उम्र के लोगों के मन को लुभा कर उस के थैली में अपनी जगह सब से ऊपर बना कर घर में प्रवेश कर ही जाता है, आखिर फलों का राजा जो है और राजा का स्थान सब से ऊपर तो बनता ही है। शर्त लगा लो कोई भी वस्तु बिना पत्नी से अनुमति लिए जब घर लाया जाता है, तो सूरजमुखी बनकर पति को तापमान का एहसास दिलाकर पसीना छुडानेवाली पत्नी भी "आम" को देखकर पूनम का चांद बन जाती है, सही या नहीं। एक और प्रजाति है आम की, नाम "मियाजाकी", जिसका मूल जापान कहा जाता है, औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है, जिसका भाव किसी का भी होश उडा दे (होश में लाने केलिए आम औषधि की जरूरत पडेगी), एक किलो का मूल्य लगभग ढाई लाख से – तीन लाख या और भी ज्यादा। यह आम, आम-लोगों के लिए खट्टे है। मगर इस पेड की संरक्षा भी किसी वीआईपी से कम नही होती होगी। इस आम को खरीद कर खाने की सोच आम-आदमी सपने में भी नहीं सोचेगा।

अब एक नजर डाला जाए उसे खाने के तरीके पर (खानेवाले पर नहीं), आम-तौर पर पूरा परिवार एक साथ बैठता है इस महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करने के लिए। पूरा परिवार का मतलब एक-दो दशक पहले अलग हुआ करता था, गर्मियों के छुट्टियों में पिताजी के घर गए तो दादा-दादी, चाचा-चाची, चचेरे भाई-बहन, फुपेरे भाई-बहन, माँ के माईके गए तो नाना-नानी, मामा-मामी, मौसी- मौसाजी, उनके बच्चे, जिस घर भी जाओ एसे पूरा एक बटालियन बन जाता और रात को खाने के बाद आम की टोकरी को बीचो बीच रखकर सभी एक गोल बनाकर खाने बैठते, आम के छिलके के साथ-साथ बडों की यादों का पिटारा भी खुलने लगता, आम के स्वाद के साथ-साथ जिंदगी के भी कई स्वाद मिल जाते। अब तो पूरा परिवार का मतलब पति-पत्नी और एक या दो बच्चे, (अगर आम के मौसम में बच्चों को समर कैंप/ विशेष कोचिंग न भेजा हो तो) एक साथ बैठकर घरों में आम के छिलके को हटाकर, छोटे छोटे काट कर प्लेट में सजाकर कांटेदार चम्मच (फोर्क) से एक-एक टुकडा उठाकर खाते है (इसे मेनर याने सामाजिक व्यवहार ! माना जाता है); इस दृश्य में आम के गुठलियों को कोई भाव नही देता क्योंकि उसमें कुछ बचा नहीं होता । मगर कई बच्चे, आम को आम तरीके से खाना चाहते है, पसंद नहीं है उन्हें आम को टुकडों में खाना, उन्हें तो पूरा का पूरा आम चाहिए छिलके के साथ, हाथ पर धीरे से उतरते रस को चाटते, फिर उंगली के साथ गुटली को चाट चाट कर जब तक दांत खट्टे न हो तब तक एकाग्रचित्त से आम-स्वाहा कार्य में मग्न रहेंगे (इतनी एकाग्रता तो अपनी पढाई में भी नहीं दिखाया होगा बच्चों ने), साथ-साथ अपने अंगवस्त्र "आम" के स्वाद से वंचित न हो इसीलिए उसे भी आम के रस का परिचय दिला देंगे (मगर इस हरकत से परिचित समझदार माँ छोटे बच्चों के कपडे बदलकर उन्हें आम खाते समय पुराने कपडे पहनाती है), कभी कभी बडे भी इस अवस्था में पाए जाते है तो यह मान लेना चाहिए की उन में अभी भी एक बच्चा छुपा है।

सभी जानते है आम से बने विविध व्यंजन के बारे में, नई पीढी को तो आम बोलते ही याद आता है बोतलों / पैक में बिकता हुआ आम के रस। मगर कभी उन्हें आम से बनते हुए अनेक प्रकार के व्यंजनों के बारे में जानकारी देना भी जरूरी है। आम के प्रकारों के साथ-साथ उस से बननेवाले व्यंजनों की जानकारी भी आगे की पीढियों के लिए रखना जरूरी है और इस नेक कार्य को यू-ट्यूब पूरा कर रहा है। इस आम के मौसम में आप भी अपने घर में प्रयोग करे, बना कर खाए, खिलाए और अपने और अपनों की जिंदगी में एक आम-दिन को यादगार-स्वाद भरित दिन बनाकर जोडिए।

श्रीमति स्मिता शेट्टी
वरिष्ठ सहायक-2

सी एस आर गतिविधियाँ

कुर्निपेट में बहुप्रयोजन हेतु बनाए गए भवन का उद्घाटन (अगस्त 2024)

कैगा सीएसआर समिति द्वारा कुर्निपेट ग्राम बनाए गए बहुप्रयोजन भवन

कारवार तालुक के विधायक श्री सतीश सैल द्वारा बहुप्रयोजन भवन का उद्घाटन साथ में कैगा प्रबंधन वर्ग

बहुप्रयोजन भवन का उद्घाटन फलक

बहुप्रयोजन भवन उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

समूह चित्र

बेन्नदगुले , गेराल ग्राम में सिमेंट कंक्रीट रोड निर्माण हेतु भूमि पूजा (सितंबर 2024)

यल्लापुर के विधायक श्री शिवराम हेब्बार तथा उत्तर कन्नड़ जिला सांसद श्री विश्वेष्वर हेगडे कागेरी द्वारा भूमि पूजा

उद्घाटन समारोह पर यल्लापुर के विधायक श्री शिवराम हेब्बार तथा उत्तर कन्नड़ जिला सांसद श्री विश्वेष्वर हेगडे कागेरी के साथ कैगा प्रबंध वर्ग

देवलमक्की ग्राम में उच्च माध्यमिक स्कूल भवन का उद्घाटन (सितंबर 2024)

कैगा सीएसआर समिति द्वारा बनाए गए सरकारी उच्च माध्यमिक स्कूल भवन

कारवार तालूक के विधायक श्री सतीश सैल द्वारा स्कूल भवन का उद्घाटन साथ में कैगा प्रबंधन वर्ग

स्कूल के शिक्षक वर्ग, बच्चों और देवलमक्की ग्रामवासियों के साथ समूह चित्र

कोडतल्ली ग्राम में सिमेंट कंक्रीट रोड निर्माण हेतु भूमि पूजा (नवंबर 2024)

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा भूमि पूजा

स्कूल भवन उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

मलवल्ली ग्राम में मधुमक्खी पालन हेतु बक्सों का वितरण (नवंबर 2024)

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा मलवल्ली ग्रामवासियों को मधुमक्खी पालन हेतु बक्सों का वितरण

श्री विजय गणपति भट मराठे, वरिष्ठ तकनीशियन/जे द्वारा मधुमक्खी पालन की जानकारी

मधुमक्खी पालन हेतु बक्सों का वितरण के अवसर पर उपस्थित अतिथिगण

निंदक नियरे राखिये, आँगन कुटी छवाय ।
बिन साबन, पानी बिन, निर्मल होत सुभाए ।
– संत कबीरदास

भैरे ग्राम में स्कूल भवन निर्माण हेतु भूमि पूजा (जनवरी 2025)

श्री आकाश चोपड़ा, एम एस, कैगा 3व4 द्वारा भूमि पूजा

श्री दिलीप गवंडलकर, उ.म.प्र.(वि एवं ले), कैगा स्थल द्वारा भूमि पूजा

कैगा टाउनशिप में फेज-III आवासीय भवन हेतु भूमि पूजा (जनवरी 2025)

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा भूमि पूजा

श्री के श्रीराम, केंद्र निदेशक, कैगा 1व2 द्वारा भूमि पूजा

समूह चित्र

नगे ग्राम में स्कूल भवन निर्माण हेतु भूमि पूजा (मार्च 2025)

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल एवं श्री सुनिल कुमार ओझा, केंद्र निदेशक, कैगा 3व4 द्वारा भूमि पूजा

प.ऊ.कें.वि. कैगा की 36वाँ वार्षिक दिवस समारोह (दिसंबर 2024)

78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ

कैगा टाउनशिप में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कैगा स्थल में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कैगा टाउनशिप के पी ई ए कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कैगा टाउनशिप होमगार्ड कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

25वां वार्षिक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (अक्तूबर 2024)

सुविचार

- अभिमान की अपेक्षा नम्रता से अधिक लाभ होता है ।

बुद्ध –

- आत्म सम्मान की भावना ही नम्रता की औषधि है-।

–डिजरायली

कैगा स्थल में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन – एक रिपोर्ट

कैगा स्थल में वित्तीय वर्ष 2024 – 2025 (01. 02-03 अप्रैल, 2024, 02. 27 अगस्त, 2024, 03. 21 नवंबर, 2024, 04. 01 मार्च 2025) में कुल 05 हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 173 अधिकारियों/कार्मिकों ने भाग लिया।

आमंत्रित मुख्य अतिथियो द्वारा विधिवत दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशालाओं का उद्घाटन किया गया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियो ने कहा कि हिंदी बहुत मधुर भाषा है। ये हमारे पूर्वजों की भाषा है अगर आप लोग इसके संवैधानिक दायित्व के साथ-साथ इसकी विशेषताओं और खूबियों को देखेंगे तो खुद ब खुद रुचि लेने लगेंगे। हिंदी भाषा हमारी राजभाषा के अलावा मातृभाषा भी है और राजभाषा और मातृभाषा में कार्य करना हमारे लिए गौरव और सम्मान की बात होनी चाहिए। भारत सरकार के आदेश और एनपीसीआईएल मुख्यालय द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार समस्त इकाइयों में प्रत्येक वित्तीय वर्ष में चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कार्मिकों को सरकारी कामकाम हिंदी में करने हेतु प्रशिक्षित करना है। व्याख्यानों को सुने और अपनी शंकाओं का समाधान पाएं । कार्यालय के दैनदिन कार्यों को हिंदी में अवश्य करें। कार्यशाला को पूर्णत: सफ़ल बनाएं।

02-03 अप्रैल, 2024, 02. 27 अगस्त, 2024, 03. 21 नवंबर, 2024 तक की कार्यशाला में श्री सुधीर कुमार पोखरना, प्रबंधक (राजभाषा), तथा 01 मार्च 2025 की कार्यशाला में श्री बसंत कुमार सिंह, उप प्रबंधक (राजभाषा) , कैगा स्थल ने **'संघ की राजभाषा नीति, नियमों और प्रावधानों'** पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की श्रीमती अफ़रोज़ा बेगम एम. के., वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने लेखन में आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इन कार्यशालाओं में **'हिंदी वर्तनी और देवनागरी लिपि का मानकीकरण'** पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यशाला के दौरान **'प्रशासनिक एवं तकनीकी शब्दावली'** के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया एवं **'यूनिकोड की महत्ता'** बताते हुए कार्मिकों को हिंदी में टाइप करना और ई-मेल भेजना भी सिखाया गया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को सफल, ज्ञानप्रद और उपयोगी बताया।

- राजभाषा अनुभाग
कैगा स्थल

अप्रैल 2024 की हिंदी कार्यशाला का समूह छायाचित्र

दिनांक 02-03 अप्रैल 2024 की हिंदी कार्यशाला में भाग लिए प्रतिभागी गण

अगस्त 2024 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रबंधक (राजभाषा) एवं प्रतिभागीगण

नवंबर 2024 में आयोजित हिंदी कार्यशाला के मुख्य अतिथिगण सहित प्रतिभागीगण का समूह चित्र

मार्च 2025 में आयोजित हिंदी कार्यशाला के मुख्य अतिथिगण सहित प्रतिभागीगण का समूह चित्र

कैगा टाउनशिप में कन्नड़ राज्योत्सव का आयोजन

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा संबोधन

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा ध्वजारोहण

प्रशासनिक शब्दावली

Recapitulation	सार-कथन
Recede	1. पीछे हटना, 2. कम होना
Receipt	1. प्राप्ति, 2. आवती 3. रसीद, 4. आय
Receipt Book	रसीद बही
Receipt Certificate	प्राप्ति प्रमाणपत्र
Receipted Challan	रसीदी चालान
Receipt Register	1. आवती पंजिका 2. प्राप्ति पंजिका 3. रसीद रजिस्टर
Receipts and Disbursements	प्राप्तियां और संवितरण
Receipt Voucher	प्राप्ति वाउचर
Receive	1. प्राप्त करना, लेना 2. अगवानी करना, स्वागत करना
Receiver	1. पाने वाला, प्राप्तिकर्ता, आदाता 2. रिसीवर, प्रापक
Recent	नया, हाल ही का; अभिनव
Reception	1. स्वागत, स्वागत-सत्कार 2. स्वागत समारोह 3. स्वागत पटल
Reception Counter	स्वागत पटल
Reception Room	स्वागत कक्ष
Receptive	ग्रहणशील, सुग्राही
Recess	अवकाश, विश्रांति
Recession	सुस्ती
Recipient	प्राप्तिकर्ता, पाने वाला
Reciprocal	अन्योन्य, पारस्परिक, परस्पर
Reciprocal Demand	पारस्परिक मांग
Reciprocate	आदान-प्रदान करना
Reciprocity	अन्योन्यता, पारस्परिकता
Recitation	1. सस्वरपाठ 2. पाठ
Reckless	लापरवाह, उतावला, अंधाधुंध
Recklessness	दुस्साहस, लापरवाही, उतावलापन
Reckon	गिनना, संगणना करना
Reckonable Service	संगणनीय सेवा

तकनीकी शब्दावली

Real Gas	वास्तविक गैस
Real Time Control	वास्तविक काल नियंत्रण
Real Time Imaging	वास्तविक काल प्रतिबिम्बन
Reassortment	पुनःअपव्यूहन
Reboil	पुनःक्वथन
Reboiler	पुनःक्वथित्र, रीबॉयलर
Receiver	ग्राही, अभिग्राही
Receiving Tank	अभिग्राही टंकी
Reception	अभिग्रहण
Receptor	ग्राही
Recessive Lethal Mutation	अप्रभावी घातक उत्परिवर्तन
Rechargeable	पुनःआवेशनीय
Reciprocating pump	प्रत्यागामी पंप
Reciprocity	1. पारस्परिकता, परस्परता
Recirculating dissolver	पुनःपरिसंचारी विलायक
Recirculator	पुनःसंचारक
Recoil	प्रतिक्षेप
Recoil, Aggregate	समुच्चय प्रतिक्षेप
Recoil Atom	प्रतिक्षिप्त परमाणु
Recoil doppler shift attenuation	प्रतिक्षेप डॉप्लर अंतरण क्षीणन
Recoil Energy	प्रतिक्षिप्त ऊर्जा
Recoilless	प्रतिक्षेप रहित
Recoil of daughter Nucleus	विघटज नाभिक प्रतिक्षेप
Recombinant	पुनर्योगज
Recombination	पुनर्योजन
Recombiner	पुनर्योगज
Reconnaissance	आवीक्षण
Reconversion	पुनर्रूपांतरण

आफत में जान पड़ी है

संस्कृत का 'आपत्ति' और अरबी का 'आफ़त' जुड़वां भाई हैं। संस्कृत में 'आपत्ति' का अर्थ आपदा और विपदा था; हिंदी में अर्थ बदल गया है। 'आफ़त' का भी यही अर्थ था और आज भी यही है। क्या शब्दों का अर्थ परिवर्तन आपत्तिजनक है ?

कोई व्यक्ति संकटों से गुजर कर और निखर जाता है और कोई व्यक्ति बिल्कुल निढाल हो जाता है। कोई अपनी नयी राह बना लेता है। शब्दों का भी यही हाल है।

'आपत्ति' शब्द पर भी उस वक़्त मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा, जब उसका चरित्रहनन हुआ। वह सीधा सादा 'विपत्ति' के अर्थ में चला आ रहा था। चिरकाल तक 'विपत्ति' में फंसे रहने पर भी कोई 'आपत्ति' नहीं थी और जब बांग्ला और हिंदी ने उसके 'विपत्ति' अर्थ पर आपत्ति की और 'मुसीबत' से निकाल उसका 'एतराज़' (एतिराज़) अर्थ कर दिया, तब भी उसने उम्र में कोई उंगली तक नहीं उठायी।

भारत की अन्य भाषाओं को यह अनावश्क अर्थ-परिवर्तन पसंद नहीं आया। तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड, मराठी, गुजराती आज भी 'आपत्ति' और 'विपत्ति' में भेद नहीं करती हैं, क्योंकि दोनों शब्दों की व्युत्पत्ति एक है।

लगता है कि शुरू में 'आक्षेप' अर्थ में 'आपत्ति' शब्द को 'मुझे कोई आपत्ति नहीं है' ऐसे वाक्य में इस भावना के साथ इस्तेमाल किया होगा कि इससे मुझ पर कोई विपत्ति (विपदा, आपदा) नहीं पड़ेगी। अब तो हिंदी में 'आपत्ति' सिर्फ 'एतराज़' (अरबी शुद्ध उच्चारण 'एतिराज़' है) रह गया है। 'एतराज़' भी अर्थ विकसित होते-होते 'शक', 'संदेह' की परिधि से निकल कर 'आपत्ति' हुआ ।

'आपत्ति', 'आपत्तिजनक' शब्द भारत में हिंदी क्षेत्र की विधानसभाओं और लोकसभा में हिंदी भाषणों और वादविवाद में इतने ज़्यादा इस्तेमाल होते हैं कि यह सम्भव है 'आपत्ति' शब्द का बांग्ला से हिंदी में विकसित यह अर्थ एक दिन सर्वदेशीय भी बन सकता है और भारत की अन्य भाषाओं के कोशकार इसे बिना किसी आपत्ति के अपने-अपने कोशों में शामिल कर सकते हैं।

संस्कृत 'आपत्ति' का जुड़वां भाई है अरबी का 'आफ़त' । रंगरूप, उच्चारण व अर्थ भी समान हैं-विपत्ति, मुसीबत, कष्ट, दुःख। हिंदी में 'आपत्ति' का जो नया अर्थ विकसित हुआ है वह 'आफ़त' में नहीं हुआ। 'आफ़त' अपने पुराने मुसीबत अर्थ में ही खुश है। भाषा के क्षेत्र में अर्थपरिवर्तन, आपत्तिजनक नहीं माना जाता है।

एकओर जहां 'आपत्ति', हिंदी-उर्दू को कोई मुहावरा नहीं दे पाया; वहां 'आफ़त' ने आफ़त झेलना, आफ़त मचाना, आफ़त मोल लेना, आफ़त में पड़ना, आफ़त में फंसना, आफ़त बरपा करना, आफ़त उठाना जैसे मुहावरों को जन्म दिया।

अगर मैं आपके प्रति अपनी शुभकामनाएँ अर्पित करूं तो क्या आपको कोई आपत्ति होगी ?

साभार - आनन्द गहलोत द्वारा लिखित सफर शब्दों का

- **अपनी विद्वता पर गर्व करना सबसे बड़ा अज्ञान है ।**

-श्रीमद्भागवत

- **जैसे नदी बह जाती है और लौटकर नही आती-उसी तरह रात , दिन मनुष्य की आयु लेकर चले जाते है फिर नहीं आते । ,**

महाभारत -

- **कठिनाइयां आती है आती रहेंगी लेकिन वे हमेशा के लिए रूकती नहीं । , कठिनाइयाँ का डटकर मुकाबला करे ।**

- नीति वचन

प्याज

प्याज लिलिआसी परिवार का तीखी गंधवाला खाद्य कंद है। यह प्राचीनतम वनस्पतियों में से एक है। इसका वैज्ञानिक नाम 'आल्लिउम चेपा' है। स्वाद और भोजन पकाने के लिए इसे विशिष्ट गुणोंवाला आहार समझा जाता है।

आहार मूल्य

किसी अन्य ताजा वनस्पति की तुलना में यह आहार मूल्य में अपेक्षाकृत अधिक संतुलित प्रोटीन पदार्थ, कैल्सियम व रिबोफ्लोविन से भरपूर है।

औषधीय गुण

प्याज अपने औषधीय गुणों के कारण अधिक उपयोगी है। अति प्राचीन समय से इसका उपयोग आहार ओषधि के रूप में किया जाता है। प्राचीन मिस्र के चिकित्सक कई बीमारियों में प्याज लेने की सलाह देते थे। प्याज में जीवाणुनाशी गुण हैं। इसकी पुष्टि रूसी डॉक्टरों के नवीनतम अनुसंधानों से भी हुई है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन एक कच्चा प्याज अच्छी तरह चबाकर खाए तो वह दंत रोगों से मुक्त रहेगा। रूसी डॉक्टर बी.पी. टोहकिन, जिन्होंने इस अनुसंधान में अपना योगदान दिया, ने यह राय व्यक्त की है कि कच्चे प्याज को तीन मिनट चबाना मुँह के सभी रोगाणुओं को मारने के लिए पर्याप्त है।

प्याज में कफ उत्सर्जक गुण हैं। यह कफ को तरल करता है और आगे बनने से रोकता है। सदियों से इसे ठंडी, ब्रोंकाइटिस, इन्फ्लुएंजा, गाउट, गठिया, अल्पमूत्रता, यकृत-विकार और प्रदाह की स्थिति में उपयोग में लाया जाता है। अनिद्रा में भी इसे प्रभावी ओषधि समझा जाता है।

प्याज की प्रसिद्धि उसके आसानी से घुल जानेवाले लौह पदार्थ के कारण है। यह एनीमिया के उपचार में लाभकारी है। इसका महत्त्व पाचन उद्दीपक, एंटी फर्मेंटेटिव और मधुमेह-रोधी के रूप में है। यह उन महिलाओं के लिए भी लाभकारी है जिन्हें अल्प या कष्टकर मासिक धर्म होता है। अतिरिक्त कोलेस्टेरॉल ऑक्सीडाइज करके रक्त कोलेस्टेरॉल का प्रतिशत सामान्य रखने में यह उपयोगी समझा जाता है। यह धमनी-काठिन्य में भी उपयोगी है। अतः कार्डियोवेस्कुलर रोगों में रोग-निरोधन के लिए महत्त्वपूर्ण है। कच्चे प्याज का एक चम्मच रस नित्य प्रातः सेवन करने की सलाह हृदय रोगों और उच्च रक्त कोलेस्टेरॉल में दी जाती है।

प्याज में सादा नमक मिलाकर लेना आंत्रशूल और स्कर्वी में बहुत उपयोगी है। गुड़ के साथ प्याज खाने से बच्चों की बढ़वार में सहायता मिलती है। काली मिर्च के साथ दिन में दो बार लेने से मलेरिया ज्वर में आराम मिलता है। इसका उपयोग सिरके में पकाकर करने से पीलिया, प्लीहा अपवृद्धि और बदहजमी के उपचार में लाभ मिलता है।

दाँत या मसूड़ों पर प्याज का छोटा टुकड़ा रखने से दाँत का दर्द बहुधा शांत हो जाता है। फोड़े, चोट और घाव पर भुना हुआ प्याज को पुटिस के रूप में लगाने से ऊष्मा की अनुभूति से बाराम मिलता है और फोड़ा पक जाता है। प्याज का ताजा रस कब्ज से राहत दिलाता है और निद्रा रोग में लाभप्रद है। यह ब्रोंकाइटिस, स्कर्वी और लीढ कोलिक के उपचार में उपयोगी हैं। रुई पर प्याज का रस डालकर उसे कान में रखना कानों में आवाज आने, कान बजने की प्रचलित दवा है। कीड़े के काटने पर, बिच्छू के डंक मारने और चर्म रोगों में जलन शांत करने के लिए इसे प्रभावित स्थान पर लगाने से आराम पहुँचता है।

निस्संदेह प्याज एक उत्कृष्ट आहार है। इसका नियमित उपयोग स्वास्थ्य ठीक रखता है तथा ओजस्विता एवं जीवन-शक्ति को बढ़ाता है और कइ सामान्य बीमारियों से रक्षा करता है।

साभार – डॉ हतिकृष्ण बाखरू द्वारा लिखित

'' फलों और सब्जियों से चिकित्सा ''

सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों सम्मान में आयोजित विदाई समारोह

अप्रैल 2024

अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त श्री नागेश एम रेवणकर

अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त श्री एम एन हेगडे

अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त श्री रामदास एस गुनगी

अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त श्री मंजुनाथ एन बंट

मई 2024

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एस वाई शेषप्पनवर

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एन सुरेश

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्रीमती जयलक्ष्मी वी

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री प्रकाश के भट

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एस पी किन्नरकर

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री मुत्तण्णा

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एम बी जम्मिहाल

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री सी डी डेविस

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री प्रेमानंद एम नाईक

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री वी पुप्पय्या

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्री जी एच नारायणप्पा

मई 2024 में सेवानिवृत्त श्रीमती एम एन जोगलेकर

जून 2024

जून 2024 में सेवानिवृत्त श्री एस जी वेदेश्वर

जून 2024 में सेवानिवृत्त श्री जी एम वेंकटेशप्पा

जून 2024 में सेवानिवृत्त श्री श्रीधर एम नाईक

जून 2024 में सेवानिवृत्त श्री एम ए मांजरेकर

जून 2024 में सेवानिवृत्त श्री आनंदु एल गौडा

जुलाई 2024

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री सुरेश भट

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री राजेंद्र विठोबा नाईक

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री श्रीणर एस तलपणकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री संजीव सी गांवकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री शरद के नाईक

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एम यूसुफ मुल्ला

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री राजेंद्र पी रामनाथकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्रीमती रेखा जी सालियान

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री मोहन डी फायदे

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री देवय्या मास्ती गोंड

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री मोहन जी हरिटेकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री प्रकाश जी बांदेकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री जयानंद वी माजालीकर

जुलाई 2024 में सेवानिवृत्त श्री एस अहम्मद शेख अली

सितंबर 2024

सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त श्री प्रमोद जी रायचुर

सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त श्री भीमसेन एल गुडी

सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त श्री उमेश पांडुरंग मडिवाल

सितंबर 2024 में सेवानिवृत्त डॉ (श्रीमती) वी श्रीलक्ष्मी

अक्तूबर 2024

अक्तूबर 2024 में सेवानिवृत्त श्री विनोद बाबाजी नाईक

नवंबर 2024

नवंबर 2024 में सेवानिवृत्त डॉ टी एस रायकर

जनवरी 2025

जनवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्री किशोर वी शेट्टी

जनवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्री अजितकुमार एच बोरकर

जनवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्री रमेश हरि सिर्सीकर

फरवरी 2025

फरवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्री आकाश चोपड़ा

फरवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्रीमती जेस्सी कोशी

फरवरी 2025 में सेवानिवृत्त श्री रामन पी वेलु

मार्च 2025

मार्च 2025 में सेवानिवृत्त सुश्री विद्यावति तुकाराम नाईक

मार्च 2025 में सेवानिवृत्त श्रीमती विजया शाबु सावंत

मार्च 2025 में सेवानिवृत्त श्री वी अर्जुनन

मार्च 2025 में सेवानिवृत्त श्री दीपक जी गजिनकर

- क्रोध मुर्खता से शुरू होता है तथा पश्चाताप पर समाप्त होता है ।

अरस्तू -

- क्रोध मनुष्य में समुद्र की तरह बहरा एवं आग की तरह उतावला हो जाता है ।

शेक्सपियर –

- दुख को धैर्य से सहना चाहिए । उसके सामने घुटने नही टेकने चाहिए । दुख की तरह सुख को भी सावधानी से सहना चाहिए ।

विनोबा -

कैगा स्थल की छ:माही प्रगति रिपोर्ट

दक्षिण का कश्मीर कहे जाने वाले कर्नाटक राज्य के उत्तर कन्नड जिले के पश्चिमी घाट के मनोरम,वनाच्छादित क्षेत्र कैगा में स्थित कैगा बिजली उत्पादन केंद्र में, स्वदेश विकसित 220 मेगावाट प्रत्येक विद्युत क्षमता वाले दाबित भारी पानी रिएक्टरों की चार इकाइयाँ स्थापित हैं| यह भी उल्लेखनीय है कि 15 मार्च 2025 को केजीएस इकाई - 2 ने बिना ईएमसीसीआर के वाणिज्यिक प्रचालन के 25 वर्ष पूर्ण किए हैं| दो अन्य इकाइयों कैगा-5 व 6(2X700मेगावाट) में निर्माण गतिविधियाँ प्रगति पर हैं|

<u>कैगा स्थल में इकाईवार प्रगति(01 अक्तूबर,2024 से 31 मार्च,2025 तक की अवधि) का विवरण निम्नानुसार है:</u>

<u>केजीएस 1व2 की प्रगति रिपोर्ट</u>

1. केजीएस इकाई - 1 ने 17 जनवरी 2024 से अब तक निरंतर प्रचालनरत है और ईएमसीसीआर – ईएमएफ़आर गतिविधियों को आरंभ करने के लिए 31 मार्च 2025 को अपने मैनुअल शटडाउन से पूर्व 439 दिनों तक निरंतर प्रचालनरत रही।
2. केजीएस इकाई - 2 ने दिनांक 09/10/2022 से 15/09/2024 तक निरंतर प्रचालन के 707 दिवस पूर्ण किए।
3. केजीएस इकाई -1 व 2 ने अब तक 16 बार 300 दिनों से अधिक दिनों तक प्रचालनरत रही जिसमें केजीएस 1व2 ने 12 बार 365 दिनों तक निरंतर प्रचालन किया और 05 बार 500 दिनों का निरंतर प्रचालन पार किया है।
4. 15 मार्च 2025 को केजीएस इकाई - 2 ईएमसीसीआर के बिना वाणिज्यिक प्रचालन के 25 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। केजीएस इकाई-2, 300 से अधिक दिनों तक लगातार 6 बार प्रचालनरत रही तथा चालू वर्ष में लगातार 707 दिनों तक प्रचालनरत रहने का रिकार्ड दर्ज किया।
5. कैगा स्थल ने वित्त वर्ष में 3388.568 एमयू का उत्पादन किया और क्षमता गुणांक 87.91% रहा तथा उपलब्धता गुणांक 100% रहा ।
6. वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान कोई औद्योगिक दुर्घटना अथवा अग्नि दुर्घटना नहीं हुई। बिजलीघर ने 31 मार्च 2025 तक 2247 दुर्घटना मुक्त दिवस और 8829 अग्नि घटना मुक्त दिवस प्राप्त किए हैं।
7. वित्त वर्ष के दौरान में 699 किलोग्राम भारी पानी का नुकसान हुआ जो कि केजीएस 1व2 के वाणिज्यिक प्रचालन के बाद से अब तक सब से कम है। इसे पीएसडी / बीएसडी के दौरान आंतरिक एवं बाहरी प्रणालियों के रिसाव को कम करके पीएचटी सिस्टम से एस्केप दर को न्यूनतम करने और भारी पानी की प्रभावी वसूली के द्वारा प्राप्त किया गया।
8. केजीएस 1व2 दोनों इकाइयों वानो रसायन निष्पादन संसूचक (सीपीआई) के 1.0 को बनाए हुए है।

<u>पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ :</u>

- केजीएस 1व2 को वर्ष 2024 -25 के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:
- केजीएस 1व2 को निर्धारण वर्ष 2021 से 2023 के लिए भारतीय राष्ट्रीय संरक्षा परिषद से 'प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया ।
- केजीएस 1व2 को परिचालन इकाइयों – II की श्रेणी के अधीन निर्धारण वर्ष 2023 के लिए 'एईआरबी औद्योगिक संरक्षा प्रशंसा' पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

<u>केजीएस 3व4 इकाई की प्रगति रिपोर्ट</u>

1. केजीएस इकाई - 3व4 ने 1544 एमयू उत्पादन के लक्ष्य के मुकाबले 1893.83 एमयू उत्पादन किया।
2. केजीएस इकाई - 4 ने 09/12/2024 को बीएसडी के लिए बंद होने से पूर्व 315 दिनों दिनों तक प्रचालनरत रही, यह इकाई पांचवी बार लगातार 300 दिनों से अधिक समय तक प्रचालनरत रही।
3. केजीएस इकाई 4 -की द्विवार्षिक शटडाउन गतिविधियाँ 09/12/2024 से 04/01/2025 तक सफ़लतापूर्वक निष्पादित की गई ।
4. मुख्यालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार-, बिजली उत्पादन केंद्र ने 16/12/2024 से 21/12/2025 के दौरान बीएसडी निगम पीयर समीक्षा की।
5. केंद्र ने 04/02/2025 से 07/02/2025 तक आईएमएस पुन 03 प्रमाणन ऑडिट कराया और : -आईएसओ/तक आईएस 2028 फ़रवरी 14001:2015(ईएमएस),आईएस-आईएसओ/ 9001:2015(क्यूएमएस), आईएस-आईएसओ/ 45001:2018(ओएचएसएमएस) के अंतर्गत पुन: प्रमाणन लाइसेंस प्राप्त किया ।
6. लो लेवल इवेंट मैनेजमेंट, ओईआरसी, एचपीईपी, संरक्षा संस्कृति मूल्यांकन, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन लेखापरीक्षा कार्यक्रम जैसे विभिन्न स्व-मूल्यांकन और कार्य निष्पादन सुधार कार्यक्रम प्रभावी ढंग से आयोजित किए जा रहे हैं।

7. कैगा पऊवि केंद्र में चौदहवां ऑफ़साइट आपातकालीन अभ्यास 05 मार्च 2025 को आईसीसीआर मोड में सफ़लतापूर्वक आयोजित किया गया।
8. स्थल आपातकालीन अभ्यास 12 मार्च 2025 को सफ़लतापूर्वक आयोजित किया गया।
9. बिजली उत्पादन केंद्र को वर्ष – 2023 के लिए एईआरबी अग्नि (समूह-1) को संरक्षा पुरस्कार विजेता घाषित किया गया।
10. वर्ष -2024 के लिए केंद्र को भारतीय राष्ट्रीय संरक्षा परिषद (निर्माण क्षेत्र) समूह – सी (विद्युत उत्पादन थर्मल/हाइड्रल/परमाणु ऊर्जा संयंत्र) से प्रतिष्ठित संरक्षा पुरस्कार '' सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार''(गोल्डन ट्रॉफ़ी) प्राप्त हुई।

<u>कैगा-5&6 परियोजना की प्रगति रिपोर्ट वैधानिक स्वीकृतियाँ:</u>

MoEFCC द्वारा पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) निरस्तीकरण के विरुद्ध अतिरिक्त ToR अगस्त 2024 में प्राप्त हुआ। अद्यतन ईआईए रिपोर्ट फरवरी–मार्च 2025 में MoEFCC को सौंपी गई। प.ऊ.नि.प. से खुदाई की अनुमति मार्च 2026 तक बढ़ाने हेतु आवेदन किया गया था जिसे प.ऊ.नि.प. ने अनुमोदित किया। केएसपीसीबी से विस्तार की अनुमति 30 जून 2025 तक मान्य है। इसे आगे बढ़ाने हेतु केएसपीसीबी को आवेदन किया गया।

1. मुख्य संयंत्र सिविल कार्य:
2. यूनिट-5: एनबी-5, एसएबी 5ए और एसएबी 5ए में ज्योलॉजिकल मैपिंग, जियोटेक्नीकल जांच, लेवलिंग कोर्स पीसीसी और ग्राउटिंग पूर्ण; एनबी-5 और एसएबी 5ए में फाउंडेशन स्तर तक इंजीनियरिंग पीसीसी कार्य प्रगति पर हैं।
3. यूनिट-6: एनबी -6, एसएबी -6ए और एसएबी -6बी में ज्योलॉजिकल मैपिंग, कार्य पूर्ण, एनबी -6 की जियोटेक्नीकल जांच लगभग पूर्ण और लेवलिंग कोर्स पीसीसी कार्य प्रगति पर हैं । एसएबी -6ए और एसएबी -6बी में जियोटेक्नीकल जांच, लेवलिंग कोर्स पीसीसी कार्य प्रगति पर हैं।

अन्य भवन:

4. सीबी की जियोलॉजिकल मैपिंग 40% से बढ़कर 70% तक पहुँची।
5. एफ़ओएसए-6, एनएफ़बीएसबी, एफ/एम वर्कशॉप में खुदाई और पीसीसी कार्य पूर्ण हुआ।

टरबाइन आइलैंड पैकेज:

6. खुदाई कार्य पूर्ण; इलेक्ट्रिल बे बिल्डिंग -5 में लेवलिंग कोर्स पीसीसी प्रगति पर।
7. पहला बैचिंग प्लांट चालू, दूसरा व तीसरा स्थापना के तहत। ई पी सी और योजना कार्य:
    - एनआईएमईपी पैकेज का कार्यादेश अंतिम प्रक्रिया में।
    - कुल जारी ड्राइंग 7,164 (अक्टूबर) से बढ़कर 15,706 (मार्च) तक पहुँचे।
    - डायटरी सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर।

इलेक्ट्रिकल कार्य:

- निर्माण विद्युत आपूर्ति चालू।

प्रमुख उपकरण की स्थिति:

- प्रथम एवं द्वितीय स्टीम जनरेटर (एसजी) साइट पर लाए गए|
- तीसरा एवं चौथा स्टीम जनरेटर(एसजी) साइट पर लाए गए|
- एंड शील्ड नवम्बर 2025 में तैयार होने की संभावना।

टाउनशिप विकास:

- बहुमंजिला आवासीय भवन :मलबा हटाने से पाइलिंग तक कार्य प्रगति पर।
- बाउंड्री वॉल :309 फुटिंग, 294 कॉलम, 589 प्लेट डाली गई; स्थापन जारी।

मास्टर प्लान अंतिम; इंडोर बैडमिंटन कोर्ट में पेंटिंग व फिनिशिंग कार्य जारी।

अनमोल वचन

- **हर एक दुख के पीछे सुख रहता है।**
- **ज्ञान बीज है और दिव्ययुग उसका फल।**
- **संतुष्टि के बगैर शांति संभव नहीं।**
- **प्रसन्नता जीवन का सबसे बड़ा खजाना है।**

कैगा टाउनशिप में संविधान अंगीकृत दिवस समारोह (नवंबर 2024)

धूर्तता का फल

बहुत समय पहले की बात है। किसी सियार के पैर में एक कांटा चुभ गया। वह रोने-चिल्लाने लगा। उसने वहां से जा रही एक बूढ़ी महिला से पैर का कांटा निकालने का आग्रह किया। महिला ने कांटा निकाल दिया। सियार ने धन्वाद दिया और जाने लगा। तभी वह तुरंत लौटकर आया और महिला से पूछा, मेरा कांटा कहां है?

महिला ने कहा- नहीं पता। यह सुनकर सियार रोने लगा, 'मुझे कांटे की जरूरत थी'। महिला दुखी हुई और उसने सियार को बदले में एक अंडा दे दिया।

सियार अंडे को लेकर रात में पास के गांव में एक घर में पहुँचा। उसने घर के आदमी से रात में वहां ठहरने की इजाजत मांगी। आदमी ने हां कर दी। उसने अंडा एक प्लेट में रख दिया। रात में सियार ने उठकर उस अंडे को खा लिया। सुबह उठकर वह रोने लगा, मेरा अंडा कहां है? जरूर तुमने खा लिया होगा। आदमी को दुख हुआ। उसने सियार को एक मुर्गी दी। मुर्गी लेकर सियार एक महिला के घर पहुँचा। वहां सियार ने मुर्गी को बकरियों के बाड़े में रख दिया। रात में सियार फिर उठा और मुर्गी को खा गया। सुबह उठकर वह फिर रोने लगा। महिला ने भी दुखी होकर उसे बकरी का छोटा बच्चा दे दिया।

वहां से निकलकर सियार पास के गांव में एक आदमी के यहां ठहरा। आदमी ने बकरी का बच्चा अपने बेटे के पलंग के पैर से बांध दिया। रात को सियार फिर उठा और बकरी के बच्चे को खा लिया। सुबह उठकर फिर रोने लगा, जरूर तुम लोग उसे खा गए हो। आदमी ने कहा कि उह उसे बदले में एक बड़ी बकरी देगा। सियार ने कहा- उसे बड़ी बकरी नहीं चाहिए। वह बकरी का बच्चा उसके बेटे के समान था, उसे भी उस आदमी का बच्चा चाहिए।

आखिरकार आदमी ने हामी भरते हुए सियार को कुछ देर दरवाजे के पास रुकने के लिए कहा। थोड़ी देर में आदमी एक बड़ा बैग लाया और सियार को दे दिया। सियार बैग घसीटता हुआ ले जाने लगा। वह खुश था कि बच्चा बहुत तगड़ा है। कुछ दूर जाकर उसने बैग खोला। बैग खुलते ही उसमें दो जंगली कुत्ते निकले और सियार पर झपट पड़े। सियार को अपनी धूर्तता का फल मिल गया।

दुनिया का अनोखा नभचर

हमिंगबर्ड दुनिया का सबसे छोटा और अनोखा पक्षी है, जो पीछे उड़ने की क्षमता रखता है। यह एकमात्र ऐसा पक्षी है जो न सिर्फ आगे, बल्कि बगल में और पीछे की ओर भी उड़ सकता है। इसके पंख बहुत तेजी से फड़फड़ाते हैं, एक सेकंड में लगभग 50 से 60 बार, जिससे यह हवा में एक ही स्थान पर स्थिर रह सकता है, जिसे 'हवरिंग' कहते हैं। यही नहीं, हमिंगबर्ड उड़ान के दौरान अपनी दिशा तुरंत बदलने और हवा में गोता लगाने जैसे करतब भी कर सकता है।

इसकी तेज गति और तुरंत संतुलन की क्षमता इसे खास बनाती है। यह फूलों से रस चूसने के लिए उड़ते-उड़ते ही हवा में मंडराता रहता है, जिसे बिना कहीं बैठे वह भोजन कर पाता है। इसके छोटे आकार और तेजी से उड़ने की कला ने वैज्ञानिकों और पक्षी प्रेमियों को आकर्षित किया है। इसकी उड़ान की शैली में बहुत ही लचीलापन है। वास्तव में, हमिंगबर्ड प्रकृति की उड़ती हुई चमत्कारिक रचना है।

साभार – राजस्थान पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ पूर्णिमा आर टी, डीन एवं निदेशक कारवार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से।

मंचासीन अतिथिगण श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल, श्रीमती कविता विनोद कुमार, डॉ पूर्णिमा आर टी, डीन एवं निदेशक कारवार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, श्रीमती सुवर्णा एस गांवकर, प्रमुख (मासं), श्रीमती सुरिंदर कौर, विप्स अध्यक्षा

श्री बी. विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल द्वारा संबोधन

डॉ पूर्णिमा आर टी, डीन एवं निदेशक कारवार इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस द्वारा संबोधन

आयुध पूजा – 2024

कैगा टाउनशिप में श्री रामलिंगेश्वर मंदिर का संक्षिप्त परिचय

श्री रामलिंगेश्वर मंदिर सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। माना जाता है कि श्री रामलिंगेश्वर मंदिर की स्थापना त्रेता युग में स्वयं श्री रामचन्द्र जी ने की थी।
कैगा टाउनशिप के यहाँ आने से पहले कैगा टाउनशिप को कोणशे कहा जाता था। श्री रामलिंगेश्वर इस कोणशे और कुर्निपेट गाँव के लोगों के ग्राम देवता हैं।
हमारे वर्तमान स्कूल मैदान के रंगमंटप के पास श्री बाबू गौड़ा जी का घर था। वह इस मंदिर में भगवान का प्रतिदिन पूजा करते थे और कुर्निपेट गाँव में श्री पुष्कळ देवळि जी इस मंदिर के मिराशी थे।

साल में एक बार बड़ी धूमधाम से मंदिर में मेला (जात्रा) लगता था और उस मेला के लिए कुर्निपेट गाँव के कुळावी (मंदिर के मूल अनुयाई) अपनी शक्ति के अनुसार हर घर से पैसों के रूप में दान एकत्र करते थे और मेले के लिए आवश्यक सामान और सामग्री को बैलगाड़ी से मंदिर तक पहुँचाते थे।
जात्रा में आसपास के कई गाँवो से बच्चें, महिलाएँ और बुजुर्गो बड़ी संख्या में यहाँ आते थे। मेले के दिन दोपहर में सभी गाँव के लोग इकट्ठा होते थे और वनभोजन करते थे (वर्तमान जाफना स्थल पर) और रात में कुर्निपेट के कुळावियों द्वारा पौराणिक यक्षगान मनोरंजन किया जाता था। यक्षगान के लिए आवश्यक कपड़े और वेशभूषण अंकोला शहर से लाते थे ।
बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को उसी वक्त मंच पर पुरस्कार दिए जाते थे। महीनों तक गाँव के लोगों में यक्षगान के कलाकारों की बहुत प्रशंसा और चर्चा होती रहती थी ।

जैसे-जैसे दिन बीतते गए श्री रामलिंगेश्वर मंदिर और उसके आस-पास की कृषि भूमि में कैगा परियोजना के तहत टाउनशिप का निर्माण कार्य शुरू होने लगा साथ-साथ कई ठेकेदारों, कैगा कर्मचारी परिवार के भक्तों और स्थानीय लोगों के सहयोग से ईट से बनी पुरानी छोटा सा मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया और श्री रामलिंगेश्वर का एक भव्य मंदिर निर्माण हुआ ।
आज भी हम श्री रामलिंगेश्वर मंदिर के प्रांगण में उस समय के प्राचीन मंदिर का पुरातन शिवलिंग देख सकते हैं।
हालाँकि तीन दशक बीत चुके हैं फिर भी कुळावियों के लिए त्योहार के दौरान मंदिर आना और छोटी-मोटी काम में भाग लेना आम बात है।
जो कुर्निपेट ग्राम अनुयायियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वर्तमान श्री रामलिंगेश्वर प्रशासन समिति की भूमिका भी प्रशंसनीय है ।
श्री रामलिंगेश्वर मंदिर हम सभी के लिए एक श्रद्धा ,भक्ति और समाधान का केंद्र है ।
इसके के साथ-साथ कैगा परिवार और स्थानीय लोगों के बीच एक सेतु का काम भी यह मंदिर कर रहा है। यह दूध-चीनी का रिश्ता हमेशा बनी रहे। साथ साथ श्री रामलिंगेश्वर जी का आशीर्वाद और कृपा कटाक्ष सभी पर सदैव रहे । तथा हमारा कैगा पॉवर प्लांट देश की प्रगति में अपना योगदान देता रहे ।

रोहिदास एन शेट
सीएसआर अनुभाग, कैगा

विकिरण आपातस्थिति, तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए चिकित्सा प्रबंधन पर कार्यशाला (20.01.2025)

कैगा टाउनशिप में सेल्फी बूथ

39वां डीएई खेलकूद एवं सांस्कृतिक सम्मिलन -2024-2025

कैगा बर्ड मैराथन -2025

विप्स-कैगा स्थल एवं टाउनशिप महिलाओं द्वारा महिला सशक्तीकरण पर वॉकथॉन

महिला दिवस समारोह-2025 के एक भाग के रूप में, कैगा साइट विप्स ने 16.02.2025 को सुबह 07.00 बजे कैगा टाउनशिप मैन गेट से राजीव नगर गाँव (कदरा) तक वॉकथॉन का आयोजन किया। वॉकथॉन में, कैगा महिला कर्मचारी, एईसीएस शिक्षक, स्वयंपूर्णा महिला क्लब के सदस्य और अन्य टाउनशिप महिलाओं ने भाग लिया। वॉकथॉन को श्री बी.विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा साइट, श्री सुनील कुमार ओझा, केंद्र निदेशक, केजीएस-3 और 4, श्री ए.एल.वी.विक्रम रेड्डी, मुख्य अधीक्षक, केजीएस-3 और 4, श्री भाबतरन साहू, प्रचालन अधीक्षक, केजीएस-3 और 4 और श्रीमती सुरिंदर कौर, एसओ/एफ, अध्यक्ष, विप्स-कैगा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सभी महिलाएं वॉकथॉन में महिला सशक्तिकरण स्लोगन बोर्ड प्रदर्शित कर रही थीं। श्रीमती कविता विनोद कुमार, श्रीमती पूनम ओझा, श्रीमती शर्मिलि विक्रम रेड्डी और श्रीमती दुर्गा साहू ने अन्य महिलाओं (लगभग 140 के आस-पास) के साथ पूरे उत्साह के साथ वॉकथॉन में भाग लिया। श्रीमती सरोजा के. ई., महासचिव, WIPS-कैगा ने सभी को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन रिपोर्ट

कैगा स्थल द्वारा दिनांक 8/4/2025 को कैगा टाऊनशिप में एक अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 05 कवियों को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया गया।

सम्मेलन को पहले प.ऊ. के. वि. कैगा के रंगमंडप के किया जाना निर्धारित था और आयोजकों द्वारा समस्त तैयारियाँ पूर्ण की जा चुकी थी। लगभग आधे घंटे में आयोजन का विधिवत उद्घाटन किया जाना था ।

इसी बीच कैगा के सम्मेलन में अतिथियों के आगमन से पूर्व वर्षा और आँधी का आगमन हुआ। शीर्ष प्रबंधन आयोजको ने सही समय पर सम्मेलन के आयोजन स्थल को बदलने का निर्णय लिया । तमाम मशक्कत के बाद सम्मेलन को रात्रि 07:50 बजे विधिवत उद्घाटन के साथ शुरू किया गया।

सर्वप्रथम प्रमुख, मानव संसाधन, श्रीमती सुवर्णा गाँवकर द्वारा सभी कवियों यथा श्री अरुण जैमिनी, डॉ. प्रवीण शुक्ल, डॉ. राजीव राज, डॉ. प्रतीक गुप्ता एवं श्रीमती प्रीति त्रिपाठी का स्वागत किया एवं उन्हें मंच पर विराजमान कराया गया।

इसके उपरांत उपस्थित मुख्य अतिथि स्थल निदेशक श्री बी. विनोद कुमार एवं विशिष्ट अतिथियों यथा केंद्र निदेशक इकाई-1व2, श्री के. श्रीराम, परियोजना निदेशक श्री जे. एल. सिंह, केंद्र निदेशक इकाई-3व4 श्री एस. के. ओझा, प्रमुख (मा.स.) श्रीमती सुवर्णा गाँवकर का सेप्लिंग से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अधीक्षक इकाई-3व4 एवं मुख्य अधीक्षक इकाई-1व2 तथा **SARCOP** के सदस्यों, उपस्थित अन्य गणमान्यों का अभिनंदन किया।

तदुपरांत स्थल निदेशक महोदय एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा कवियों को सेपलिंग एवं शॉल देकर स्वागत किया और दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का आगाज़ किया। कार्यक्रम के आरंभ में कवयित्री प्रीती त्रिपाठी द्वारा माँ सरस्वती की वंदना कर कार्यक्रम की सफलता की कामना की गई।

कवि सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के उपरांत कवि सम्मेलन के संचालन हेतु मंच डॉ. प्रवीण शुक्ल को सौंपा गया। उन्होंने सर्वप्रथम कवियों से सभी श्रोताओं को रूबरू करवाया और हास्य रस के धारक हास्य कवि डॉ. प्रतीक गुप्ता, मेरठ को काव्य पाठ हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने अपनी रचनाओं प्रस्तुति से श्रोताओं को गुदगुदाया और उनकी प्रस्तुति ने सभी को हसने पर मजबूर कर दिया।

उनके उपरांत श्रीमती प्रीति त्रिपाठी ने अपनी सुरीली आवाज एवं शानदार मुक्तकों से श्रोताओ को भाव विभोर कर दिया। त्रिपाठी जी के बाद मंच पर संचालक महोदय डॉ प्रवीण शुक्ल, दिल्ली ने श्रोताओ को आनंदित किया। उनके बाद हास्य के मैदान पर आए डॉ. राजीव राज, गीतकार जिन्होंने अपने गानों से सभी को गुनगुनाने पर मजबूर कर दिया। उनके गीत – यादें झीनी रे, सभी के मस्तिष्क पटल पर छा गई।

उनके उपरांत दिल्ली से आए डॉ प्रवीण शुक्ल ने अपनी प्रस्तुति '' भीष्म प्रतिज्ञा'' से सभी को ओत प्रोत कर दिया। हास्य के घमासान में अंत में मोर्चा संभाला यूट्यूब के लाखों फालोवर्स वाले श्री अरुण जैमिनी जी ने। उन्होंने हास्य एवं उनके हरियाणवी लहजे ने कैगा कर्नाटक के लोगो को भी ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपने वनलाइनर प्रस्तुति, जैसे ''हरियाणा के लोग उल्टे जवाब क्यों देते हैं'' से समस्त श्रोताओं का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम के अंत में स्थल निदेशक द्वारा कवियों का धन्यवाद किया गया और टोकन स्वरूप प्रशस्ति पत्र दिया गया और समस्त श्रोतागण अपने साथ हास्य की स्मृतियाँ लेकर पुनः मिलने की आशा के साथ वापस चले गए।

श्री बी विनोद कुमार, स्थल निदेशक, कैगा स्थल एवं श्री अरुण जैमिनी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कवि सम्मेलन का उद्घाटन

अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन में उपस्थित श्रोतागण

श्रीमती प्रीती त्रिपाठी द्वारा कविता वाचन

डॉ प्रवीण शुक्ला द्वारा कविता वाचन

डॉ प्रतीक गुप्ता द्वारा कविता वाचन

डॉ राजीव राज द्वारा कविता वाचन

श्री अरुण जैमिनी द्वारा कविता वाचन

कविगण के साथ कैगा प्रबंधन का समूह चित्र

आगमन

अणुसंकेत गृहपत्रिका अपने नए साथियों का कैगा इकाई में हार्दिक स्वागत करती है।

क्र.सं.	नाम (श्री/श्रीमती/सुश्री)	पदनाम	किस इकाई से स्थानांतरण	कार्यभार ग्रहण तिथि
01	लिंगय्या सिद्दय्या गणियार	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	केएपीपी 3व4	16-04-2024
02	शुभोज्योति बसु	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	केएपीपी 3व4	16-04-2024
03	ए एल खान ऊसमान	वैज्ञानिक सहायक/जी	केएपीपी 3व4	16-04-2024
04	शुभाशिष चटर्जी	तकनीकी अधिकारी/ई	केएपीपी 3व4	27-04-2024
05	अजित कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	केएपीएस	09-05-2024
06	डॉ. सुधीर त्यागी	चिकित्सा अधिकारी- एफ	एनएपीएस	13-05-2024
07	मयंक छापरे	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	केएपीपी 3व4	15-06-2024
08	भारत भूषण उपाध्याय	वरिष्ठ प्रबंधक (विधि)	एनएपीएस	20-06-2024
09	विशाल सबलानियां	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	केएपीपी 3व4	25-06-2024
10	राकेश राव पी.बी.	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	टीएम साइट	10-07-2024
11	धनपाल राजू	वैज्ञानिक सहायक/जी	केएपीपी 3व4	02-09-2024
12	सिद्धांत अरविंद पवार	प्रबंधक (मा सं)	केएपीएस	25-10-2024
13	सुभाष पी डब्राबाद	वैज्ञानिक सहायक/जी	केएपीएस	05-11-2024
14	बसंत कुमार सिंह	उप प्रबंधक (राजभाषा)	आर आर साइट	29-11-2024
15	राजेश बलिराम बिधलाने	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	केएपीपी 3व4	03-12-2024
16	डॉ. प्रीति दुबे	चिकित्सा अधिकारी- एफ	केकेएनपीपी	04-12-2024
17	डॉ. अजय दुबे	चिकित्सा अधिकारी- एफ	केकेएनपीपी	04-12-2024
18	आकाश कनौजिया	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	केएपीपी 3व4	28-12-2024
19	सुनील कुमार ओझा	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	आर आर साइट	10-01-2025
20	कमल पेद्दय्या अय्यन्ना	तकनीकी अधिकारी/डी	केकेएनपीपी	15-01-2025
21	भाबातरण साहू	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	आरएपीएस 7&8	15-01-2025
22	अशोकन एन के	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	केकेएनपीपी	01-02-2025
23	प्रभाकर मिश्रा	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	आरएपीपी 7&8	03-02-2025
24	अजय पाठक	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	एनएपीएस 1&2	18-03-2025

नई नियुक्ति

अणुसंकेत गृहपत्रिका अपने नए साथियों का कैगा इकाई में हार्दिक स्वागत करती है।

क्र.सं.	नाम (श्री/श्रीमती/सुश्री)	पदनाम	नई नियुक्ति	कार्यभार ग्रहण तिथि
01	शरणबसव एस बेलापुर	वैज्ञानिक सहायक/सी	औद्योगिक सुरक्षा	24-04-2024
02	जिरनंदिश	वैज्ञानिक सहायक/सी	औद्योगिक सुरक्षा	01-05-2024
03	प्रवीणकुमार वी	वैज्ञानिक सहायक/सी	औद्योगिक सुरक्षा	30-05-2024
04	जतिन यादव	नर्स-ए	चिकित्सालय	06-06-2024
05	औदुम्बर प्रकाश नाराले	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सिविल	01-08-2024
06	मृदुल जैन	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सिविल	01-08-2024
07	शुभम आनंद	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सिविल	01-08-2024
08	विशेष रॉय आनंद	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सिविल	01-08-2024
09	दीपशिखा सोनी	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सिविल	01-08-2024
10	वीएनएस प्रणीत टोंडेपु	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	निर्माण	01-08-2024
11	विकास विश्वेश्वर भट्ट	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	स्थल योजना	01-08-2024
12	मोहम्मद मोहतसिम	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	यांत्रिकी	01-08-2024
13	अवधेश सोनकर	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
14	पीवीएन मनोज	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024

15	संजीत कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
16	सोलंकी चिरागकुमार चुन्नीलाल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
17	मोहित दोहरे	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एसएमयू	01-08-2024
18	आदित्य प्रसाद साहू	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
19	विजय कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
20	हर्षित अग्रेल नामदेव	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	ईएमयू	01-08-2024
21	पवन विनोद वांगेकर	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सीएमयू	01-08-2024
22	पृथ्वी शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सीएमयू	01-08-2024
23	अभ्युदय शर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
24	आकाशकुमार बिपिनचंद्र वाहिया	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एमएमयू	01-08-2024
25	गौतम कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
26	निकुंज रमेश परमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
27	पीयूष चौधरी	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
28	राधे कृष्ण	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एफएचयू	01-08-2024
29	ऋतुराज	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
30	संतोष दास	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एमएमयू	01-08-2024
31	धीरज उपाध्याय	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
32	जैमिन अशोकभाई डामोर	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
33	रामप्रकाश नगर	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
34	वैभव मिश्रा	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
35	अभय कुमार गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एसएमयू	01-08-2024
36	अनुराग साव	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
37	मदका राज कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	ईएमयू	01-08-2024
38	अंजना विजयकुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	ईएमयू	01-08-2024
39	हेमश्री अनिल चंद्र पंगी	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सीएमयू	01-08-2024
40	नितीश एल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	सीएमयू	01-08-2024
41	अलूरी सतीश	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एफएचयू	01-08-2024
42	ज्ञानेश्वर श्रीधर चवन	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एमएमयू	01-08-2024
43	हितेश कुमार मीना	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
44	कृष्णा वर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एफएचयू	01-08-2024
45	मो. एम डी अकरमुल हक	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
46	नादकुदुरु वामसी कृष्ण	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एमएमयू	01-08-2024
47	निखिल गढ़वाल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
48	पुनयो हसंग	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
49	राजा दिवाकर	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एमएमयू	01-08-2024
50	शुभम कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	प्रचालन	01-08-2024
51	जयेश डेव	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	एचपीयू	01-08-2024
52	सौरव पाल	वैज्ञानिक अधिकारी/सी	तकनीकी इकाई	01-08-2024
53	सृष्टि रायसाहब कसबे	उप प्रबंधक (मा सं)	मा सं	13-08-2024
54	सीमा साईकुमार	वैज्ञानिक सहायक/बी	एचपीयू	17-08-2024
55	स्मृति रंजन साहू	उप प्रबंधक (मा सं)	मा सं	23-08-2024
56	प्रभात यादव	उप प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	28-08-2024
57	खासीम दूदेकुला	उप प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	30-08-2024
58	मनीष राज	उप प्रबंधक (मा सं)	मा सं	20-09-2024
59	बी. लोगनाथ	उप प्रबंधक (सीएमएम)	सीएमएम	03-10-2024
60	विनेश सी.के	उप प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	14-10-2024
61	विशाल प्रकाश कास्टेलिनो	उप प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	21-10-2024

62	कुमार टी गोंड	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	22-10-2024
63	निखिल अजित पंडित	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	22-10-2024
64	मनीष कुमार शर्मा	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	23-10-2024
65	नवीन एस.वी	आशुलिपिक - ग्रेड 1	मा सं	24-10-2024
66	अतुल एन.डी	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	24-10-2024
67	शॉलिन प्रमोद पजारे	उप प्रबंधक (मा सं)	मा सं	04-11-2024
68	कोमल	उप प्रबंधक (मा सं)	मा सं	05-11-2024
69	संकप्पा पी.डी.	सहायक ग्रेड 1(सीएमएम)	सीएमएम	05-11-2024
70	रेशमा अशोक मंडली	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	05-11-2024
71	राजेश कुमार बी	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	05-11-2024
72	राजा एस	आशुलिपिक - ग्रेड 1	वि एवं ले	05-11-2024
73	सेंथिल नाथन जी. एम.	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	06-11-2024
74	रितिक बागोरिया	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	12-11-2024
75	कमलेश कृष्ण क्यारवार	उप प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	12-11-2024
76	केशव	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	15-11-2024
77	मनोज प्रसाद प	उप प्रबंधक (सीएमएम)	सीएमएम	19-11-2024
78	मुवेंद्र कुमार सिंह	उप प्रबंधक (सीएमएम)	सीएमएम	21-11-2024
79	संतोष कुलकर्णी	उप प्रबंधक (सीएमएम)	सीएमएम	27-11-2024
80	श्रीनिवास मुम्बारड्डी	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	28-11-2024
81	कोयन्ना श्रीधर	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	29-11-2024
82	गोकुलनाथ टी	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	02-12-2024
83	बनोथु भास्कर	आशुलिपिक - ग्रेड 1	रासायनिक प्रयोगशाला, 1व2	03-12-2024
84	माटम महेश बाबू	आशुलिपिक - ग्रेड 1	मा सं	04-12-2024
85	प्रशान्त श्रीवास्तव	सहायक ग्रेड-1 (मा. सं.)	मा. सं.	13-12-2024
86	तेलुगू वेंकटेश्वरलू	आशुलिपिक - ग्रेड 1	सूचना प्रौद्योगिकी	13-12-2024
87	मयंक गौड़	सहायक ग्रेड 1(सीएमएम)	सीएमएम	16-12-2024
88	श्रुति किरण हल्दानकर	आशुलिपिक - ग्रेड 1	चिकित्सालय	16-12-2024
89	प्रवीण राजेश ए.	सहायक ग्रेड 1(सीएमएम)	सीएमएम	19-12-2024
90	एड्डुला कांतिकुमार	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	20-12-2024
91	पियुश कुमा	आशुलिपिक ग्रेड 1	गुणवत्ता आश्वासन	20-12-2024
92	गौतम कुमार	सहायक ग्रेड 1 (मा सं)	मा सं	23-12-2024
93	क्लेरिन जोस	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	27-12-2024
94	अभिषेक कुमार जोशी	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	28-12-2024
95	अनमोल घनशाम चावरे	सहायक ग्रेड 1 (वि एवं ले)	वि एवं ले	15-01-2025

स्थानांतरण

अणुसंकेत गृहपत्रिका कैगा से स्थानांतरित साथियों का आभार प्रकट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देती है।

क्र.सं.	नाम (श्री/श्रीमती/सुश्री)	पदनाम	किस इकाई में स्थानांतरण	कार्यमुक्त तिथि
01	गगन कुमार	उप महाप्रबंधक (वि एवं ले)	रापबिघ-1 से 8	03-04-2024
02	डॉ. जयेशकुमार जी. अरु.	उप महाप्रबंधक (सीएमएम)	कापबिघ	15-04-2024
03	मुप्पराजु शेषय्या	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	मपबिघ	09-05-2024
04	डॉ एम. चेंगय्या यादव	चिकित्सा अधिकारी/ एफ	रापबिघ-1 से 8	15-05-2024
05	संतोष कुमार चे	कार्यदक्ष-डी	केकेएनपीपी	07-06-2024
06	शेक अब्दुल खादिर	वरिष्ठ प्रबंधक (विधि)	कापबिघ	22-06-2024
07	कुलदीप कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	मुंबई-मुख्यालय	12-07-2024

08	संतोष राउत	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	नपबिघ	06-08-2024
09	आनंदन. एम.	तकनीशियन/जी	मुंबई-मुख्यालय	03-08-2024
10	सुमंत शरद हेब्लेकर	वरिष्ठ सहायक ग्रेड 2	मुंबई-मुख्यालय	13-09-2024
11	के. बालसुब्रमणियन	वैज्ञानिक सहायक/ई	केकेएनपीपी	26-10-2024
12	अमोल धर्म	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	रापबिघ-1 से 8	29-11-2024
13	डॉ अरुण कुमार निराला	चिकित्सा अधिकारी/जी	जीएचएविपी	10-12-2024
14	सुधीर कुमार पोखरना	प्रबंधक (राजभाषा)	तापबिघ-1 से 4	11-12-2024
15	रामकृष्ण कूठाडी	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	मपबिघ	06-07-2024
16	मीना भगवंता डगळे	तकनीशियन/डी	तापबिघ-1 से 4	09-08-2024
17	पी. सुदर्शन	फोरमैन-बी1	मुंबई-मुख्यालय	26-12-2024
18	हेमंत कुमार राठोड	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	रापबिघ-1 से 8	02-01-2025
19	सोनू भारद्वाज	वैज्ञानिक सहायक/डी	रापबिघ-1 से 8	02-01-2025
20	बीरबल कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	रापबिघ-1 से 8	07-01-2025
21	लवुडिया बालचंद्र नाईक	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	केकेएनपीपी	25-01-2025
22	गौरव कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	तापबिघ-1 से 4	30-01-2025
23	वी. प्रभाकरन	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	केकेएनपीपी	10-02-2025
24	कमलेश चन्द्र कुशवाहा	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	नपबिघ	15-02-2025
25	नल्लमुत्तु कुमार	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	मपबिघ	27-02-2025
26	शुभम गुप्ता	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	मुंबई-मुख्यालय	11-03-2025
27	पंकज कुमार यादव	वैज्ञानिक अधिकारी/डी	नपबिघ	21-03-2025
28	देबासिस मुखर्जी	वैज्ञानिक अधिकारी/जी	नपबिघ	11-03-2025
29	हेमंत कुमार	वरिष्ठ प्रबंधक (सीएमएम)	रापबिघ-1 से 8	28-03-2025

सेवानिवृत्ति

अणुसंकेत सेवानिवृत्त साथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनके सुखद भविष्य की कामना करती है।

क्र.सं.	नाम (श्री/श्रीमती/सुश्री)	पदनाम	अनुभाग	सेवानिवृत्ति तिथि
01	मारुति पांडुरंग बांदेकर	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	टाउनशिप वैद्युत	30-04-2024
02	रामदास सोमा गुनगी	वरिष्ठ तकनीशियन/एच1	सेवा अनुरक्षण	30-04-2024
03	मंजूनाथ एन. बंट	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	अपशिष्ट प्रबंधन	30-04-2024
04	महाबलेश्वर नारायण हेगडे	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	ईएसएल	30-04-2024
05	जयलक्ष्मी वेंकटेश	उप-महाप्रबंधक (मा स)	मासंप्र	31-05-2024
06	महादेवप्पा बी. जम्मिहाल	फोरमैन-सी	टाउनशिप सिविल	31-05-2024
07	पेरपेट चार्ली ग्रास	वरिष्ठ कार्य सहायक-ए	ईएसएल	31-05-2024
08	सी डी डेविस	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	टाउनशिप वैद्युत	31-05-2024
09	मुथअन्ना	फोरमैन-सी	सेवा अनुरक्षण	31-05-2024
10	प्रेमानंद महब्लू नाइक	वरिष्ठ तकनीशियन/एच1	संचार	31-05-2024
11	प्रकाश के. भट	वैज्ञानिक सहायक/जी	गुणवत्ता आश्वासन	31-05-2024
12	परमेश्वर एम. मुलेमाने	तकनीशियन/सी	एचपीयू	31-05-2024
13	एम एन जोगलेकर	तकनीशियन/डी	केजीएस चिकित्सालय	31-05-2024
14	परशुराम अन्नापा कुडापुर	तकनीशियन/एफ	मानव संसाधन	31-05-2024
15	जी एच नारायणप्पा	तकनीशियन/जी	सेवा अनुरक्षण	31-05-2024
16	श्रीनिवास पी किन्नरकर	वैज्ञानिक सहायक/एफ	संचार	31-05-2024
17	कृष्णा मोनू अगर	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	परिवहन सेवाएं	30-06-2024
18	आनंदु लक्ष्मण गौड़ा	तकनीशियन/एफ	स्थल निदेशक कार्यालय	30-06-2024
19	महाबलेश्वर ए. मांजरेकर	तकनीशियन/जी	सेवा अनुरक्षण	30-06-2024

20	जी. मुनिशमप्पा वेंकटेशप्पा	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	विद्युत अनुरक्षण	30-06-2024
21	श्रीधर मंजू राइजिंग नाइक	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	यांत्रिक सेवा प्रणाली	30-06-2024
22	एस. अहमद शेख अली	तकनीशियन/एफ	मानव संसाधन	31-07-2024
23	मोहन गणपति हरिटेकर	तकनीशियन/जी	आतिथ्य सेवाएं	31-07-2024
24	प्रकाश गोविंद बांदेकर	तकनीशियन/एफ	स्थापना	31-07-2024
25	रेखा जी. सैलियन	वरिष्ठ सहायक ग्रेड 2	मासंप्र	31-07-2024
26	मोहम्मदज़फ़र यूसुफ़ मुल्ला	कार्यापालक सहायक	सीएमएम	31-07-2024
27	राजेंद्र पि रामनाथकर	कार्यापालक सहायक	सीएमएम	31-07-2024
28	मोहन देवराय फायदे	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	ई&यूएस	31-07-2024
29	शरद. के. नाइक	वरिष्ठ प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	31-07-2024
30	जयानंद वी. मजलीकर	तकनीशियन/एफ	सेवाएं	31-07-2024
31	श्रीधर सूबा तलपंकर	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	गुणवत्ता आश्वासन	31-07-2024
32	देवय्या मस्ती गोंड	तकनीशियन/जी	ईंधन भरण	31-07-2024
33	राजेंद्र विठोबा नाइक	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	केंद्रीकृत निविदा कक्ष	31-07-2024
34	संजीव चिमानो गांवकर	वरिष्ठ प्रबंधक (वि एवं ले)	वि एवं ले	31-07-2024
35	सुरेश भट	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	यांत्रिक	31-07-2024
36	उमेश पांडुरंग मडीवाल	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	ईएसएल	30-09-2024
37	भीमसेन लक्ष्मणराव गुडी	वरिष्ठ तकनीशियन/एच1	केजीएस चिकित्सालय	30-09-2024
38	प्रमोद गोविंदाचार्य रायचूर	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	प्रबंधन	30-09-2024
39	वी. श्रीलक्ष्मी	चिकित्सा अधिकारी/एच	केजीएस चिकित्सालय	30-09-2024
40	विनोद बाबाजी नाइक	वरिष्ठ सहायक ग्रेड 2 (मा स	केजीएस चिकित्सालय	31-10-2024
41	नागेश मणिभद्र रेवांकर	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	टाउनशिप वैद्युत	30-04-2024
42	वीरभद्रय्या पुप्पाय्या	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	कें. निदेशक कार्यालय	31-05-2024
43	एन. सुरेश	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	एनटीसी कार्यालय	31-05-2024
44	एस. वाई. शेषप्पनवर	महाप्रबंधक	सीएमएम	31-05-2024
45	सवितकुमार गणपतिवेदेश्वर	वैज्ञानिक अधिकारी/एफ	गुणवत्ता आश्वासन	30-06-2024
46	टी एस रेकर	चिकित्सा अधिकारी/एच	केजीएस चिकित्सालय	30-11-2024
47	वी. बाला कुमार	फोरमैन-डी	गुणवत्ता आश्वासन	31-12-2024
48	शंकर पांडुरंग हुड़दंगी	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	अपशिष्ट प्रबंधन	31-12-2024
49	वाई. बी. भट्ट	उत्कृष्ट वैज्ञानिक	केजीएस 1 एवं 2	31-12-2024
50	किशोर वेंकटेश शेट्टी	वैज्ञानिक अधिकारी/ई	स्थल योजना	31-01-2025
51	रमेश हरि सिरसीकर	तकनीशियन/एफ	सेवा अनुरक्षण	31-01-2025
52	अजितकुमार हुवैया बोरकर	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	यांत्रिक अनुरक्षण	31-01-2025
53	रमन पी. वेलु	फोरमैन-बी1	परिवहन सेवाएं	28-02-2025
54	साईनाथ बी. नाईक	फोरमैन-डी	ईएसएल	28-02-2025
55	जेसी कोशी	नर्स -डी	केजीएस चिकित्सालय	28-02-2025
56	आकाश चोपड़ा	वैज्ञानिक अधिकारी/एच	केजीएस 3 एवं 4	28-02-2025
57	विजया शाबु सावंत	तकनीशियन/जी	सीएमएम (भंडार)	31-03-2025
58	दीपक गणपति गजिनकर	वरिष्ठ सहायक ग्रेड 2 (	सीएमएम (भंडार)	31-03-2025
59	विद्यावती तुकाराम नाइक	कार्यापालक सहायक	सीएमएम (भंडार)	31-03-2025
60	वी. अर्जुनन	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	यांत्रिक अनुरक्षण	31-03-2025

श्रद्धांजलि

कैगा परिवार अपने बिछुड़े साथियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

क्र.सं.	नाम (श्री/श्रीमती/सुश्री)	पदनाम	अनुभाग	निधन तिथि
01	अमोल चंद्रकांत बांदेकर	वरिष्ठ तकनीशियन/एच	यांत्रिक अनुरक्षण	19-07-2024
02	नागराज लक्षमण हादीमाने	वरिष्ठ तकनीशियन/जे	गुणवत्ता आश्वासन	11-12-2024

कैगा संयंत्र स्थल में 76वां गणतंत्र दिवस का आयोजन

कैगा टाउनशिप के पी ई ए कार्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस का आयोजन

कैगा टाउनशिप में 76वां गणतंत्र दिवस का आयोजन